संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 292
पृष्ठ 8
शुक्रवार
12 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन गलत आदतों की वजह... **विचार-** जम्मू-कश्मीर की चिंता **खेल-** गौतम गंभीर को कोच बनाने से पहले...

शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी के मामले में योगी सरकार ने बदला आदेश

लखनऊ, एजेंसी। शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी के मामले में जारी आदेश को योगी आदित्यनाथ की सरकार ने बदल दिया है। राजनाथ सिंह यूपी के शिक्षा मंत्री थे। उनके आदेशानुसार पुलिस को परीक्षा केंद्रों में घुस कर जाँच व कार्रवाई करने की अनुमति दी गई थी लेकिन मुलायम सिंह यादव ने इसका फायदा उठाया। उत्तर प्रदेश में एक नया नियम लागू किया गया, जिसके तहत शिक्षकों को कहा गया कि वो डिजिटल रूप से हाजिरी लगाएँ। इसके विरोध में शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उत्तर प्रदेश में फिलहाल स्कूलों की टाइमिंग 8 बजे से लेकर 2 बजे तक हैं, हालाँकि, भाजपा सरकार ने आदेश जारी किया कि शिक्षकों

को पौने 8 बजे हाजिरी बनानी पड़ेगी। अब आदेश को मोडिफाई कर के कहा गया है कि शिक्षकों को आधे घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।शिक्षकों को एक तरह से ये वैकल्पिक व्यवस्था दी गई है, जिसके तहत वो साढ़े 8 बजे तक अटेंडेंस बना सकते हैं, लेकिन उन्हें सफाई देनी पड़ेगी कि वो क्यों देर से आए हैं। उम्मीद है कि शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन कम होगा। 'प्रेरणा पोर्टल' के तहत 'डिजिटल रजिस्टर' की व्यवस्था की गई है। यूपी में शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। शिक्षकों के देर से आने पर उनका वेतन काटे जाने की व्यवस्था की गई थी। 8 जुलाई को 6 लाख शिक्षकों में से मात्र 2 फीसदी ने रजिस्टर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। 16,015 शिक्षकों ने अटेंडेंस बनाया था। 75 में 14 जिलों में शत प्रतिशत लोगों ने इसका बहिष्कार किया। शाहजहाँपुर, पीलीभीत और संत कबीर नगर इन्हीं जिलों में से एक है। बरेली में 1, रामपुर में 2, और महराजगंज में 9 शिक्षकों ने ही हाजिरी बनाई। कई शिक्षकों ने हाथ पर काली पट्टी बाँध कर ड्यूटी की थी। भाजपा के विधान पार्षद बाबूलाल तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिल कर इस संबंध में सूचनाओं को साझा किया। हाजिरी के लिए शिक्षकों के चेहरे पर आधारित सिस्टम भी की गई थी, लेकिन इसका भी विरोध किया गया। अखिलेश यादव ने वोट बैंक को देख कर प्रदर्शनकारी शिक्षकों को समर्थन दिया। इससे इतिहास की भी याद आ जाती है, जब भाजपा सरकार में ही कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री रहते नकल विरोधी कानून 1992 में पारित किया गया था।उस समय राजनाथ सिंह यूपी के शिक्षा मंत्री थे। इस कानून के तहत पुलिस को परीक्षा केंद्रों में घुस कर जाँच व कार्रवाई करने की अनुमति दी गई, लेकिन, मुलायम सिंह यादव ने इसका फायदा उठाया। उस दौरान 17 फीसदी छात्र–छात्राओं ने परीक्षा ही छोड़ दी थी। 1994 में मुलायम सिंह यादव ने सरकार बनते ही अपने पहले निर्णयों में इस कानून को रद्द किया। अब अखिलेश यादव उसी तरह की राजनीति कर रहे हैं। राजनाथ सिंह के सीएम रहते भी यूपी में भाजपा की हार हुई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश- बिना रीति रिवाज के हिन्दू विवाह अमान्य

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हिन्दू विवाह से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि हिंदू व्यक्ति के विवाह में हिंदू रीतियां अपनाया जाना आवश्यक है, यदि ऐसा नहीं हुआ है तो रजिस्ट्रार द्वारा जारी विवाह प्रमाणपत्र अथवा आर्य समाज मंदिर द्वारा जारी प्रमाण पत्र का कोई महत्व नहीं रह जाता। यह कहते हुए जस्टिस राजन राय व जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने 39 साल के एक कथित धर्मगुरु द्वारा धोखाधड़ी कर 18 वर्षीय लड़की से किए गए कथित विवाह को शून्य घोषित कर दिया है। यह निर्णय जस्टिस राजन राय व जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने युवती की ओर से दाखिल प्रथम अपील को मंजूर करते हुए पारित किया है। गौरतलब हो, युवती ने अपील में पारिवारिक न्यायालय, लखनऊ के 29 अगस्त 2023 के निर्णय

को चुनौती दी थी। युवती ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12 के तहत परिवार न्यायालय के सामने वाद दाखिल करते हुए पांच जुलाई 2009 को हुए कथित विवाह को शून्य घोषित किए जाने की मांग की थी। वहीं प्रतिवादी कथित धर्मगुरु ने भी धारा 9 के तहत वाद दाखिल कर वैवाहिक अधिकारों के पुनर्स्थापना की मांग उठाई थी। पारिवारिक न्यायालय ने दोनों वादों पर एक साथ सुनवाई करते हुए युवती के वाद को निरस्त कर दिया था जबकि प्रतिवादी धर्मगुरु के वाद को मंजूर कर लिया। पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में युवती की ओर से दलील दी गई कि प्रतिवादी धर्मगुरु है। युवती की मां व मौसी उसकी अनुयायी थीं। पांच जुलाई 2009 को उसने अपीलार्थी व उसकी मां को अपने यहां बुलाया व कुछ दस्तावेजों पर यह कहते हुए दोनों के हस्ताक्षर करवाए कि वह उन्हें अपने धार्मिक संस्थान का नियमित सदस्य बनाना चाहता है। इसके पश्चात तीन अगस्त 2009 को भी उसने सेल डीड में गवाह बनने के नाम पर रजिस्ट्रार ऑफिस बुलाकर दोनों के हस्ताक्षर करवा लिए। कुछ दिनों बाद उसने अपीलार्थी के पिता को सूचना दी कि पांच जुलाई 2009 को उसका आर्य समाज मंदिर में अपीलार्थी से विवाह हो गया है व तीन अगस्त 2009 को पंजीकरण भी हो चुका है। हाईकोर्ट की बेंच के विद्वान न्यायाधीशों ने कहा कि सभी दस्तावेज धोखाधड़ी कर के बनवाए गए। अपील का प्रतिवादी धर्मगुरु की ओर से विरोध किया गया।

चार देशों के राजदूतों ने अपने परिचय पत्र राष्ट्रपति को सौंपे

नयी दिल्ली, एजेंसी। चार देशों दक्षिण सूडान, जिम्बाब्वे, स्पेन और अर्जेंटीना के राजदूतों ने बृहस्पतिवार को अपने परिचय पत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के समक्ष प्रस्तुत किये। इन राजदूतों ने

राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक कार्यक्रम में अपने परिचय पत्र राष्ट्रपति को प्रदान किये। राष्ट्रपति को अपने दस्तावेज सौंपने वालों में दक्षिण सूडान के राजदूत लुमुम्बा मैकलेले न्याजोक, जिम्बाब्वे की राजदूत सुश्री स्टेला नकोमो, स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल और अर्जेंटीना गणराज्य के राजदूत मारियानो अगस्टिन काउसिनो शामिल हैं।

जम्मू में बढ़ती आतंकी घटनाओं के विरोध में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों को सुरक्षा मोर्चे पर केंद्र सरकार की पूर्ण विफलता करार देते हुए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आज जम्मू शहर में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जम्मू–कश्मीर

के पुनर्गठन के बाद शांति बहाली और आतंकवाद के खात्मे के सरकार के दावे जमीनी हालात के विपरीत हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सेना और सुरक्षा बलों के जवानों की जान जाना बेहद परेशान करने वाला और निंदनीय है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा को यह स्वीकार करना चाहिए कि 10 साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद वे सभी मोर्चों पर विफल रहे हैं। हम आपको बता दें कि जम्मू–कश्मीर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में विकार रसूल ने कहा कि जम्मू शांतिपूर्ण इलाका था लेकिन मोदी सरकार की नाकामी के चलते यहां के हालात बिगड़ गये हैं।

शिक्षा से अधिक खर्च विवाह पर करते हैं भारतीय : मगनभाई पटेल

विकलांग सहायक केंद्र, वटवा द्वारा सर्वधर्म सामूहिक विवाह का आयोजन इस साल भी विकलांग परिवार एव विधवा बहनो एव गरीब परिवार के लड़के–लड़कियो के लिए बुखारी पार्टी प्लॉट,वटवा,अहमदाबाद में किया गया जिसमे २० युगलो शादी के बंधन से जुड़े।इस समारोह के अध्यक्ष श्री मगनभाई पटेल जो इस संस्था के पेट्रन चेरमेन है और श्री सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज एव शाम सेवा फाउंडेशन के चेरमेन भी है उनकी वित्तीय सहायता से यह समारोह सम्पन्न हुआ जिसमे वे मुख्यदाता के रूप में उपस्थित रहे।

महिलाओं को मिले परिवार नियोजन के विकल्प चुनने अधिकार : नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा ने कहा है कि परिवार नियोजन में महिलाओं को विकल्प चुनने में सशक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्यों को सामूहिक रुप से काम करने की जरुरत है। नड्डा ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित एक ऑनलाइन सम्मेलन "माँ और बच्चे की भलाई के लिए गर्भधारण का स्वस्थ समय और अंतराल" की अध्यक्षता करते हुए कहा कि केंद्र और राज्यों को सामूहिक रूप से काम करने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं परिवार नियोजन के विकल्प चुनने के अपने अधिकार का प्रयोग कर सकें और उन पर अनचाहे गर्भधारण का बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि गर्भनिरोधकों की जरूरतें विशेष रूप से अधिक जनसंख्या वाले वाले राज्यों, जिलों और ब्लॉकों में पूरी करना सुनिश्चित

किया जाना चाहिए। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी उपस्थित रही। उन्होंने कहा, विकसित भारत का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है जब भारत के परिवारों का स्वास्थ्य अच्छी तरह से बनाए रखा जाए, जिसे छोटे परिवारों से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम का उद्देश्य " पसंद से और सूचित विकल्प से जन्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दो बच्चों के बीच उचित समय और अंतराल को बढ़ावा देना, इष्टतम परिवार के आकार को प्राप्त करना और गर्भनिरोधक विकल्पों को स्वैच्छिक रूप से अपनाना स्वस्थ और खुशहाल परिवारों के पोषण के लिए महत्वपूर्ण है। पटेल ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी प्रजनन आयु वर्ग में आती है, जिससे यह सुनिश्चित करना उचित है कि उन्हें विकल्प प्रदान किए जाएं और अनियोजित परिवार वृद्धि का बोझ न पड़े।

सीबीआई ने मास्टरमाइंड रॉकी को किया गिरफ्तार, मिली 10 दिन की रिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर मामले में सीबीआई ने राकेश रंजन के सहयोगी रॉकी को नालंदा (बिहार) से गिरफ्तार किया है। रॉकी पटना में सीबीआई की सक्षम अदालत के सामने पेश हुआ और उसे 10 दिनों के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में सीबीआई ने पटना और कोलकाता समेत चार जगहों पर छापेमारी की। राकेश (रॉकी) को उसके आईपी पते और ईमेल पते के माध्यम से पता लगाने के लिए सीबीआई द्वारा उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया था।

मोदी को मणिपुर जाकर लोगों से करनी चाहिए शांति की अपील : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मणिपुर के आंतरिक हालात ठीक नहीं हैं और पूरा राज्य दो हिस्सों में बंट गया है इसीलिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर लोगों से शांति की अपील करनी चाहिए। श्री गांधी ने कहा कि वह तीसरी बार मणिपुर का दौरा कर चुके हैं लेकिन उन्हें इस बात का अफसोस है कि वहां स्थिति सामान्य नहीं हो रही है। श्री मोदी को खुद वहां जाकर लोगों से शांति की अपील करनी चाहिए ताकि स्थिति सामान्य हो सके। उन्होंने कहा "मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद मैं तीसरी बार यहां आ चुका हूं मगर अफसोस, स्थिति में कोई सुधार नहीं है। आज भी प्रदेश दो टुकड़ों में बंटा हुआ है। घर जल रहे हैं, मासूम ज़िंदगियां खतरे में हैं और हज़ारों परिवार राहत शिविरों में जीवन काटने पर मजबूर हैं।" श्री गांधी ने कहा "प्रधानमंत्री को मणिपुर खुद आकर प्रदेशवासियों की तकलीफ़ सुनते हुए शांति की अपील करनी चाहिए।

THE NAND KISHORE GROUP

NAND KISHORE SINGH P.G. COLLEGE

Affiliated to: Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj

Dhanuha, Chaka, Naini, Prayagraj

Department: M.Ed.

Post: Principal/HOD: *Eligibility: M.A. in Education/ M.Ed. with M.A/ M.Sc. in School Subject and Ph.D.
Experience: Minimum 10 years with at least 3 years' experience in M.Ed. teaching or in M.A. in Education.

No. of Post (1+1) : Professor & Associate Professor: *Eligibility: M.A. in Education/ M.Ed. with M.A./M.Sc. in School and NET/SET/Ph.D.
Experience: Minimum 8 years with at least 3 years' experience in M.Ed. teaching.

No. of Post (3) : Assistant Professor: *Eligibility: M.A in Education/ M.Ed. with M.A./M.Sc. in School subject and NET/SET/Ph.D.

Department: B.Ed.

No. of Post (15) : Assistant Professor: *Subjects: Life Science, Physical Science, Mathematics, Hindi, Fine Arts, Computer Application, Economics.
Post: Pedagogy: *M.Ed. with M.A/M.Sc. in School Subject with at least 55% and NET/SET/Ph.D.
Post: Foundation Subject: *M.Ed./B.Ed. with M.A. in Education with at least 55% and NET/SET/Ph.D.

Salary as per UGC/UP Govt./NCTE/University norms

Apply to *nkpgcollege@gmail.com*
within *7 days* with supporting documents.
Contact at: 9565-81-7777

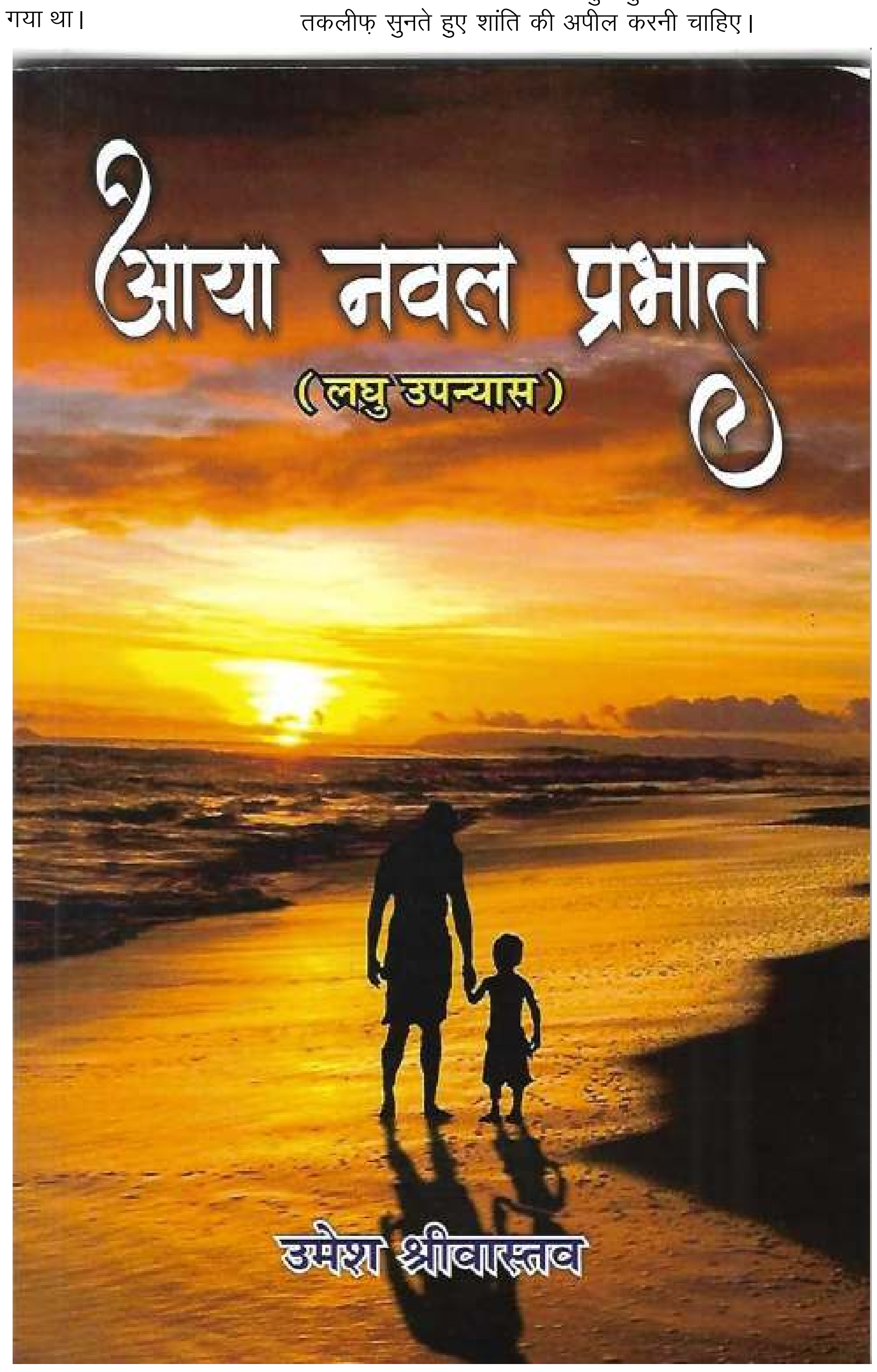

100 करोड़ ठगने वाला मास्टरमाइंड को यूपी एसटीएफ ने पकड़ा

5 राज्यों की पुलिस को थी तलाश, कैसे 5 हजार लोगों को बनाया शिकार

प्रयागराज। प्रयागराज एसटीएफ ने 5000 लोगों से 100 करोड़ की ठगी के आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी 2 साल से फरार था। 5 राज्यों की पुलिस को उसकी तलाश थी। आरोपी पर यूपी–उत्तराखंड समेत 5 राज्यों में 39 मामले दर्ज हैं। बरेली में 25 हजार और उत्तराखंड में 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। एसटीएफ ने बुधवार रात उसे हुडकेश्वर में इन्द्रप्रस्थ नगर, साईं मंदिर के पास से पकड़ा। आरोपी ज्ञानेश पाठक प्रयागराज का रहने वाला है। उसने श्रद्धा मल्टीस्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड का रजिस्ट्रेशन कराया। 5 से ज्यादा राज्यों में 100 से अधिक ब्रांच खोलीं। एक लाख रुपए पर 7 हजार के मुनाफे का लालच देकर सैकड़ों लोगों को ठगा। फिर अपनी टीम के साथ फरार हो गया।

159 लोगों के जरिए फैलाया जाल : ज्ञानेश पाठक ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से पढ़ाई किया है। स्स्ट के अलावा उसने जर्नलिज्म कोर्स भी किया है। इसके बाद वह 2012 में लखनऊ जाकर रहने लगा। पिता किसानी के साथ चायपत्ती का कारोबार करते हैं। ज्ञानेश पाठक ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और कई अन्य राज्यों में नेटवर्क फैलाया। श्रद्धा मल्टीस्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड बनाया। इसके बाद लोगों को एक लाख पर 7 हजार देने का लालच देकर इनवेस्ट करने के लिए मोटिवेट करने लगा। करीब 159 लोगों को हर महीने फायदा देता रहा। इन लोगों को फायदा होने के बाद लोग झांसे में आते गए। धीरे–धीरे सोसाइटी से 5000 से ज्यादा लोग जुड़ गए।

सालभर में 20–25 करोड़ का भुगतान किया : सोसाइटी की राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और अन्य राज्यों में 100 से अधिक ब्रांच खोलीं। भारी संख्या में लोगों को सोसाइटी से जोड़ा गया। साल 2018–19 में लोगों को 20 से 25 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया गया। साल 2019–20 तक सोसाइटी में 100 करोड़ से ज्यादा की रकम जमा हो गई। तब सोसाइटी ने लोगों को पैसों का भुगतान करना बंद कर दिया। जिन्होंने पैसे लगाए, उनके पैसे फंस गए।

100 करोड़ रुपए का गबन कर फरार हुआ : जब लोगों के पैसे फंसे तो उन्होंने विरोध जताया। फिर लोगों को सोसाइटी की ओर से झूठा आश्वासन दिया जाता रहा कि आप लोगों का पैसा वापस कर दिया जाएगा। साल बीतता गया, लेकिन किसी भी व्यक्ति का पैसा वापस नहीं आया। सोसाइटी के अकेले बरेली ब्रांच में 300 लोगों का पैसा फंस गया। 5 से ज्यादा राज्यों में कई हजार लोगों ने सोसाइटी में पैसे लगाए थे। 2022 में सोसाइटी की पूरी टीम फरार हो गई।

2022 से फरार था ज्ञानेश

यूपी पुलिस के साथ एसटीएफ की टीमें 2022 से ज्ञानेश को तलाश कर रही थीं। 2 दिन पहले एसटीएफ की टीम को ज्ञानेश पाठक के नागपुर में छिपे होने की सूचना मिली। फिर प्रयागराज एसटीएफ की एक टीम नागपुर पहुंची। टीम ने करीब 24 घंटे में आरोपी को ट्रेस किया। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से 2 मोबाइल फोन बरामद हुआ है। ज्ञानेश पाठक को बरेली के किला थाने में दर्ज मुकदमे में गिरफ्तार कर नागपुर की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से ट्रांजिट रिमांड मिल गई है। अब आरोपी को बरेली लाकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में मूक बधिर बच्चों को जूडो–कराटे की ट्रेनिंग

आत्मरक्षा के गुर सीख रहे छात्र–छात्राएं, रेड बेल्ट एकेडमी दे रही ट्रेनिंग

प्रयागराज। प्रयागराज में मूक बधिर विद्यालय के बच्चे आत्मरक्षा के गुर सीख रहे हैं। उन्हें ट्रेनिंग देकर ऐसा बनाया जा रहा है ताकि वह अपनी सुरक्षा खुद कर सकें। इसके लिए बकायदा प्रशिक्षित दिया जाने लगा है। प्रशिक्षकों की टीम इन बच्चों को आत्मरक्षा करने के प्रति अनेक प्रकार की कलाओं से अवगत उन्हें निपुण बना रही है। ट्रेनरों का कहना है कि मूक बधिर बच्चे काफी उत्साह के साथ ट्रेनिंग ले रहे हैं। रोटरी इलाहाबाद मिडटाउन ने रेड बेल्ट एकेडमी के सहयोग से गुरुवार को मूक बधिर विद्यालय में आत्मरक्षा शिविर लगा। इसका उद्देश्य छात्रों को आत्मरक्षा के गुणों से अवगत कराना और उन्हें आत्मरक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। इन बच्चों जूडो, कराटे, ताइक्वांडो समेत अन्य ट्रेनिंग दी जा रही है।

छात्र–छात्राओं को आत्मरक्षा के तरीके सीखना जरूरी

रेड बेल्ट एकेडमी के निदेशक रोटेरियन स्मृति शांगलू ने बताया कि आत्मरक्षा का महत्व आज के समय में बहुत अधिक है। आत्मरक्षा कक्षा से छात्रों को आत्मविश्वास बढ़ता है। वे अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम होते हैं। यह किसी को खतरनाक स्थितियों से निपटने और संभावित शारीरिक हमलों से बचने में सक्षम बनाता है। रेड बेल्ट एकेडमी के स्निग्धा गुप्ता, सूर्यांशु गुप्ता, दिव्यांशु यादव, नीलेश केसरवानी, महिमा श्रीवास्तव ने कक्षाओं के दौरान बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राध्यापक केएन मिश्रा, सह प्राध्यापक संजय, अध्यापकगण, क्लब अध्यक्ष राधा सक्सेना, अभिषेक सिंह, आशीष चौधरी, अभिषेक रंजन अग्रवाल, मनु सक्सेना आदि मौजूद रहे।

महंगाई भत्ता में तीन फीसदी बढ़ोतरी संभावित, जुलाई के वेतन से मिलेगा लाभ

प्रयागराज। महंगाई भत्ता (डीए) में तीन फीसदी की बढ़ोतरी संभावित है। इसका लाभ एक करोड़ से अधिक केंद्रीय एवं राज्य कर्मियों तथा पेंशनर्स को मिलेगा। इस बढ़ोतरी का लाभ जुलाई महीने के वेतन से मिलेगा। वेतन तथा पेंशन निर्धारण के जानकार एजी ब्रदरहुड के पूर्व अध्यक्ष हरिशंकर तिवारी के अनुसार जुलाई 2023 में औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता सूचकांक 402.336 अंक था। अगस्त में 400.896, सितंबर में 396, अक्तूबर में 398.592, नवंबर में 400.608, दिसंबर में 399.744, जनवरी 2024 में 400.032, फरवरी में 400.896, मार्च में 400.032, अप्रैल में 401.472 तथा मई में सूचकांक 402.912 अंक रहा। यदि जून में भी सूचकांक 402.912 अंक रहा तो इन 12 महीनों के सूचकांक का औसत 400.536 अंक होगा। इस आधार पर निर्धारित फार्मूले के तहत जुलाई महीने से डीएम 53.22 फीसदी होगा। चूंकि, न्यूनतम पूर्णांक ही देय होता है। इस तरह से जुलाई महीने से 53 फीसदी डीए संभावित है। अभी 50 फीसदी डीए मिल रहा है। ऐसे में जुलाई से डीए में तीन फीसदी की बढ़ोतरी संभावित है। हरिशंकर तिवारी का कहना है कि जून महीने के सूचकांक में सात या इससे अधिक अंक की कमी होती है तो दो फीसदी डीए में बढ़ोतरी होगी। इसी तरह से 25 अंकों की वृद्धि होती है तो डीए में चार फीसदी की बढ़ोतरी होगी लेकिन एक महीने में सूचकांक में इतना अंतर आमतौर पर नहीं होता। ऐसे में डीए में तीन फीसदी की बढ़ोतरी संभावित है।

कुख्यात राजेश उर्फ टोटा के इनामी शार्प शूटर लॉरेंस की जमानत मंजूर, रंगदारी मांगने का दर्ज है केस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुख्यात राजेश टोटा गैंग के शार्प शूटर 50 हजार के इनामी लॉरेंस यूसुफ उर्फ बॉस की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने लॉरेंस की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है। बिल्डर के भाई से 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में चार नवंबर 2023 से जेल में बंद था। उसे यूपी एसटीएफ और आगरा पुलिस की संयुक्त टीम से राजस्थान के भरतपुर से गिरफ्तार किया था। अपनी पहचान छुपाने के लिए वह ट्रक ड्राइवर बन गया था। हरिपर्वत थाना क्षेत्र के रहने वाले बिल्डर संजीव रावत ने जमीन छोड़ने के एवज में रंगदारी मांगने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे में मथुरा जेल गैंगवार में मारे गए सरगना राजेश शर्मा उर्फ टोटा की पत्नी कनक शर्मा और बेटा राज भी नामजद थे। 50 हजार के इनामिया यूसुफ लॉरेंस के पास से पुलिस ने एक ड्राइविंग लाइसेंस और एक आधार कार्ड बरामद किया था। आरोप है कि लॉरेंस ने बिल्डर के हाथरस निवासी भाई अशोक रावत के नाम पट्टे की जमीन को लेकर धमकी देते हुए 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। कहा था कि 2020 में बिल्डर के भाई के नाम हुई जमीन कुख्यात राजेश टोटा की पत्नी कनक शर्मा की है। इसलिए उसे उस जमीन के एवज में 25 लाख रुपये की हिस्सेदारी चाहिए। इससे पहले वह केंद्रीय कारागार में बंद था। हाथरस में लॉरेंस यूसुफ और राज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। यूसुफ लॉरेंस और राज को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उसने कारागार के अंदर से बिल्डर की हत्या की साजिश रची। धमकियां भरा फोन कर बिल्डर को जान से मारने की धमकी दी थी। इस पर आगरा के थाना हरीपर्वत में भी एक मुकदमा लॉरेंस यूसुफ और कनक शर्मा और राज के खिलाफ दर्ज हुआ। पुलिस ने लॉरेंस यूसुफ पर 50 हजार का इनाम घोषित कर दिया।

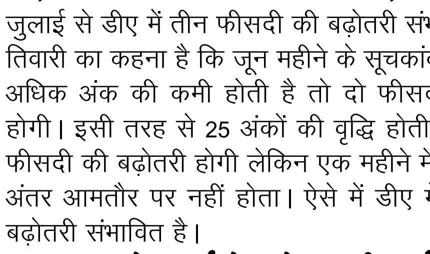

मथुरा जेल गैंगवार के बाद मारा गया था कुख्यात टोटा

10 सितंबर 2014 को मेरठ के बृजेश मावी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

दक्षिण भारत की ट्रेन यात्रा 13 जुलाई से फिर करें

प्रयागराज समेत अन्य स्टेशन से बैठ सकेंगे यात्री, आईआरसीटीसी ने निकाला पैकेज

प्रयागराज। इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) भारत गौरव पर्यटक ट्रेन से दक्षिण भारत यात्रा कराने जा रहा है। इस यात्रा में रामेश्वरम – मीनाक्षी मंदिर (मदुरै)–कन्याकुमारी–तिरुपति बालाजी और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराये जाएंगे। यात्रा में रामेश्वरम–मीनाक्षी मंदिर (मदुरै)–कन्याकुमारी–तिरुपति बालाजी और मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग का शेड्यूल है। यह ट्रेन 13 जुलाई से संचालित होगी। यात्री प्रयागराज समेत अन्य रेलवे स्टेशनों से इस ट्रेन में सफर तय कर सकते हैं।

अब जानते हैं कहां कहां ले जाएगी ट्रेन : इसमें कुल बर्थों की संख्या 767 होगी। 2–एसी (कुल 49 सीटें), 3–एसी (कुल 70 सीटें) एवं स्लीपर (कुल 648 सीटें) होंगी। ट्रेन से प्रयागराज, गोरखपुर, कप्तानगंज, थावे, सीवान, छपरा, बनारस, प्रतापगढ़, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई, ललितपुर एवं बीना के यात्री सफर कर सकेंगे। यह टूर 13 से 25 जुलाई तक 12 रात्रि एवं 13 दिन का होगा। इस पैकेज में 2–एसी, 3–एसी एवं स्लीपर क्लास यात्रा, नाश्ता एवं दोपहर व रात्रि का शाकाहारी भोजन, एसी, नॉन एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण को भी शामिल किया गया है।

अलग अलग पैकेज में सुविधाएं

इकोनामी श्रेणी (स्लीपर क्लास) में पैकेज 24,450 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5–11 वर्ष) का पैकेज का 23,000 रुपये होगा। स्लीपर क्लास ट्रेन यात्रा, डबल, ट्रिपल पर नॉन एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में मल्टी शेयर पर वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था इसमें शामिल है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड श्रेणी 3–एसी क्लास में पैकेज का मूल्य 40,850 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5–11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य 39,150 रुपये है। 3–एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल–ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, नॉन एसी होटल के कमरे में डबल–ट्रिपल पर वॉश एंड चेंज एवं नॉन एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था इसमें शामिल है। जबकि कम्फर्ट श्रेणी 2–एसी क्लास में पैकेज का मूल्य 54,200 रुपये प्रति व्यक्ति एवं प्रति बच्चे (5–11 वर्ष) का पैकेज का मूल्य 52,150 रुपये है। 2–एसी क्लास ट्रेन यात्रा, डबल–ट्रिपल पर एसी होटलों में ठहरने, एसी होटल के कमरे में डबल–ट्रिपल पर वॉश एंड चेंज एवं एसी ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था इसमें शामिल है।

माफिया गणेश यादव के मकान और मार्केट पर चल चुका है बुलडोजर, दर्ज हैं दर्जन भर मामले

प्रयागराज। रंगदारी मांगने के मामले में झूंसी में गत दिनों गिरफ्तार किए गए माफिया गणेश यादव यूपी सरकार की माफिया की लिस्ट में शामिल है। हवेलिया झूंसी निवासी गणेश यादव पर सरायइनायत और झूंसी सहित जिले के कई थानों में करीब दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं। जनवरी 2021 को पीडीए ने झूंसी के न्याय नगर गेट के सामने स्थित उसके तीन मंजिले मार्केट और हवेलिया स्थित आलीशान मकान को ध्वस्त किया जा चुका है।

रंगदारी मांगने के मामले पुलिस ने कसा शिकंजा

झूंसी थाना क्षेत्र के हवेलिया की संगम विहार कालोनी में 31 दिसंबर 2023 को जमीन पर कब्जे को लेकर हुई गोलीबारी मामले में वांछित चल रहे प्रदेश स्तरीय चिन्हित भू माफिया गणेश यादव को शनिवार की दोपहर झूंसी पुलिस ने जीटी रोड के किनारे स्थित एक चाय की दुकान के पास से गिरफ्तार कर लिया था। भू माफिया गणेश यादव के गिरफ्तार होने की खबर इलाके में फैली तो खलबली मच गई। पुलिस ने गिरफ्तारी के चंद मिनट बाद ही उसे जेल भी भेज दिया। वांछित चल रहा प्रदेश स्तरीय भू माफिया गणेश यादव झूंसी थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसके खिलाफ झूंसी और सरायइनायत थाने में दस से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। कर्नलगंज थाना क्षेत्र के कटरा निवासी रवि प्रताप 31 दिसंबर 2023 की दोपहर तकरीबन सवा एक बजे झूंसी के संगम विहार में रहने वाले दोस्त इरफान के निर्माणाधीन घर पर आए थे। साथ में उत्पल सिंह,विनय सिंह और कृष्णा भी थे। तभी दो चार पहिया और कई बाइक से एक दर्जन लोग वहां पहुंचे। दबंगों ने झूंसी के भू माफिया गणेश यादव का नाम लेते हुए कहा कि बगैर पांच लाख रुपये दिए तुम निर्माण कार्य नहीं करा सकते हो। इसके बाद बात बढ़ी तो दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी–डंडा, रॉड और अवैध असलहों के साथ हमला कर दिया। दबंगों में से एक युवक फिल्मी स्टाइल में दोनों हाथों में पिस्टल लेकर फायरिंग करता रहा। उसने तकरीबन दस राउंड फायरिंग किया था। इस दौरान रवि समेत अन्य लोगों ने किसी तरह अपनी जान बचाई। पूरे घटनाक्रम की वीडियो बना रहे इकबाल को पिस्टल सटाकर उसका मोबाइल भी लूट लिया गया था। हमले में रवि प्रताप के सिर में चोट आई थी। इस मामले में पुलिस ने मौके से पिस्टल के खोखे भी बरामद किए थे।

रिंकू पहलवान भी हो चुका है गिरफ्तार

रवि की तहरीर पर भू माफिया गणेश यादव उसके बेटे रवि यादव, कुलदीप यादव, रिंकू उर्फ आलोक कुमार यादव उर्फ पहलवान,शनि गिरि, रोहित यादव, अंशू यादव, राणा यादव, विशाल सिंह पटेल, मंजीत यादव, दीपक यादव व सचिन यादव नामजद के साथ ही सात–आठ अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास,रंगदारी, लूट समेत कई संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पूरे मामले में अब तक रिंकू पहलवान की ही गिरफ्तार हो सकी थी।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकली गयी उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद पत्र संख्या 96 **सन 2023**

महंत यमुनापुरी उम्र लगभग 49 वर्ष चेला कपिलमुनी श्री पंचायती आखाड़ा महानिर्वाणी मकान नंबर 545 दरागंज तहसील सदर जनपद इलाहाबाद।

बनाम

शिवानंदपुरी उम्र लगभग 47 वर्ष चेला कपिलमुनी श्री पंचायती आखाड़ा 27 अलोपीदेवी मंदिर अलोपीबाग तहसील सदर , जनपद इलाहाबाद।

अपने चेला मृत कपिलमुनी को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए सन 1889 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के लिए ।

चूंकि न्यायालय वादी से प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 का 15 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को वाद उपरोक्त के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) इलाहाबाद में नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा ।

नियत तिथि - 15-07-2024

न्यायाधीश

शास्त्री ब्रिज पर वाहनों की टक्कर के बाद लगा जाम

कार सवार और बाइक वाले भिड़े, पुल पर हंगामे के बाद वाहनों की कतार

प्रयागराज। प्रयागराज के शास्त्री ब्रिज (झूंसी पुल) पर गुरुवार दोपहर 2.50 बजे कार और बाइक की भिड़त के बाद हंगामा हो गया। कार की टक्कर बाइक में लगने से एक युवक जख्मी हो गया। इसके बाद बाइक सवार और कार वालों से विवाद हो गया। पुल पर दोनों वाहनों को रोक हंगामा करने लगे। इससे लंबा जाम लग गया। वाहनों की लंबी कतार लगने से अफरातफरी का आलम हो गया। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने वाहनों को ब्रिज से हटाया तब जाकर कुछ देर बाद वाहनों का आवागमन शुरू हो सका।

9 जुलाई को भी झूंसी पुल पर मची थी अफरातफरी

शास्त्री ब्रिज यानी झूंसी पुल पर 9 जुलाई को दोपहर बिजली का एक खंभा अचानक गिर गया था। खंभा एक बाइक सवार के सिर को टच करते हुए गिरा। हादसे में युवक का सिर फट गया था। हादसे में कई और लोगों का मामूली चोट लगी थी। दोपहर में स्कूलों की छुट्टी की वजह से स्कूली बस, रिक्शा, टेंपो आदि पर बच्चे जा रहे थे। गनीमत रही कि उस समय हादसा नहीं हुआ। हालांकि घटना के बाद कुछ देर को ट्रैफिक रुक गया।

हाईवे पर लूट करने वाले अरेस्ट, ट्रेलर बरामद

प्रयागराज–प्रतापगढ़ मार्ग पर की थी लूट, ड्राइवरों को बंधक बनाकर हाईवे किनारे फेंक देते थे

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने हाईवे ड्राइवरों को बंधक बनाकर ट्रक, ट्रेलर लूट ले जाने वाले दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस ने लूटे गए एक ट्रेलर को बरामद कर लिया। बदमाशों ने कई वारदातों से पर्दा उठाया है। दो ट्रकों मध्य प्रदेश में बेचने की बात सामने आई है। पुलिस ट्रकों की बरामदगी में लगी है। डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने बताया कि सोरांव थाने की पुलिस और सर्विलांस सेल गंगा नगर की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को आजाद निवासी कुल्हीपुर थाना देल्हूपुर प्रतापगढ़ और आसिक अली निवासी नरवा सिटी थाना कोतवाली प्रतापगढ़ को पकड़ा। यह दोनों हाईवे पर लूट की वारदात करते थे। 10 जुलाई को बदमाशों ने मऊआईमा–प्रतापगढ़ हाइवे स्थित संत निरंकारी सत्संग स्थल के पास से चोरी ट्रेलर लूट लिया था। ट्रेलर की 25 लाख रुपये थी। टीमों ने पूछताछ और सीसीटीवी कैमरों की मदद से वारदात करने वालों को दबोच लिया।

प्रयागराज में बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

एक सेमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही, नरौरा बैराज से 1.28 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

प्रयागराज। प्रयागराज में अभी तेज बारिश नहीं हुई है, लेकिन गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में हो रही बारिश का असर अब प्रयागराज में गंगा और यमुना में भी दिखने लगा है। करीब एक सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से गंगा–यमुना का जलस्तर बढ़ रहा है। अभी अनुमान है कि एक सप्ताह में जलस्तर में तेजी से वृद्धि होगी। संगम पर भी गंगा और यमुना का बढ़ता हुआ जलस्तर पता चल रहा है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से पानी दारागंज घाट तक पहुंच गया है। सोमवार को नरौरा बैराज से 1.28 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम - **ए.के. बाजपेयी अंकित है, जो गलत है** । जबकि मेरा सही नाम - बाजपेयी अवधेश कुमार उमाशंकर है। मेरे **आधार कार्ड में सही नाम -Bajpayee Awadhesh Kumar Umashankar (बाजपेयी अवधेश कुमार उमाशंकर) दर्ज किया जाए।**

बाजपेयी अवधेश कुमार उमाशंकर पुत्र उमाशंकर बाजपेयी मो0- 9369861662, **स्थायी निवासः** आर्मी क्वार्टर नं. - 102/04, शिवकुटी रोड, सरस्वती विहार, आर्मी क्वार्टर, प्रयागराज, उ.प्र. - 211004। ,**अस्थायी पताः** इंडियन आर्मी c/o 56 ए.पी.ओ. 900273, कानपुर कैण्ट, कानपुर नगर, उ.प्र.।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय माननीय जनपद न्यायाधीश इलाहाबाद

प्रकीर्ण सिविल संख्या - 236 **सन 2023**

1.श्रीमती आमना बेगम विधवा स्व. मोहम्मद ईसा, निवासिनी - बी - 604/4 करेली स्कीम जी.टी.बी. नगर, प्रयागराज, **2.श्रीमती तस्लीमा बेगम,** आयु लगभग 39 वर्ष, पत्नी श्री अनीस अहमद अंसारी पुत्री स्व. मोहम्मद ईसा, निवासिनी - बी - 604/4 करेली स्कीम जी.टी.बी. नगर, तहसील सदर, प्रयागराज

...वादीगण

बनाम

मो. इब्राहिम (मृतक) वादहू विधिक वारिसान निम्नलिखित **1/1 श्रीमती आमना**, पत्नी स्व. मो. इब्राहीम, **1/2 गुड्डन, 1/3 कामरान, 1/4 मोहसिन, 1/5 सुफियान** वयस्क पुत्रगण स्व. मो. इब्राहीम ,समस्त निवासीगण - 198 दायरा शाह अजमल, तहसील सदर, जनपद प्रयागराज

...प्रतिवादीगण

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 07 के 22 दिवस को 2 बजे पूर्वाह्न** में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

ता.पेशी 22/07/2024

न्यायाधीश

संक्षिप्त

भारत में तेल, गैस अन्वेषण में 100 अरब डॉलर के निवेश के अवसर : हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को आयात पर भारत की निर्भरता कम करने और किफायती तथा टिकाऊ तरीके से ईंधन उपलब्ध कराने के लिए तेल एवं गैस की खोज तेज करने का आह्वान किया। 'ऊर्जा वार्ता सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि अन्वेषण तथा उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अभिन्न अंग है, जो सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, '' ईएंडपी 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर प्रदान करता है।'' पुरी ने कहा कि भारत की अन्वेषण तथा उत्पादन क्षमता का अब भी पूरी तरह दोहन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ''मुझे यह अजीब लगता है कि भारत प्रचुर भूवैज्ञानिक संसाधनों के बावजूद तेल आयात पर इतना अधिक निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय तलछटी बेसिन में करीब 65.18 करोड़ टन कच्चा तेल और 1138.6 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस मौजूद है। पुरी ने कहा, '' हमारे तलछटी बेसिन क्षेत्र के केवल 10 प्रतिशत पर ही अन्वेषण का काम किया जा रहा है, जो वर्तमान बोली समाप्त होने के बाद 2024 के अंत तक बढ़कर 16 प्रतिशत हो जाएगा।'' उन्होंने कहा,'' हमारे अन्वेषण प्रयासों का ध्यान अभी तक न खोजे गए संसाधनों की खोज पर केंद्रित होना चाहिए।'' भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 85 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरा करता है। रिफाइनरियों में कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। उन्होंने कहा, '' सरकार ईएंडपी में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपनी भूमिका निभा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) ने व्यापक सुधार लागू किए हैं, जिससे हितधारकों को हमारे देश की प्रगति में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है।'' पुरी ने कहा, '' हमारा इरादा 2030 तक भारत के अन्वेषण क्षेत्र को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाने का है।

इलेक्ट्रिक परिवहन स्टार्टअप विद्युत ने इलेक्ट्रिक वाहन बेचने की ऑफलाइन सेवा की शुरू

बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक परिवहन स्टार्टअप विद्युत ने पुराने इलेक्ट्रिक वाहन बेचने और वित्तपोषण की ऑफलाइन सेवा बृहस्पतिवार को शुरू की। विद्युत ने एक बयान में कहा, नवीनतम ऑफलाइन सेवाएं शुरुआत में दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हैदराबाद तथा बेंगलुरु में उपलब्ध कराई गई हैं। चालू

वित्त वर्ष के अंत तक इन्हें मुंबई, चेन्नई, पुणे, लखनऊ, आगरा और कानपुर सहित छह और बाजारों में विस्तारित करने की योजना है। कंपनी के सह–संस्थापक क्षितिज कोठी ने कहा, '' एक मजबूत पुनर्विक्रय बाजार की अनुपस्थिति ईवी अपनाने की गति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है...इस पुनर्विक्रय मंच की शुरुआत के साथ हम सटीक व तथा पारदर्शी वाहन तथा बैटरी मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'' विद्युत की शुरुआत नवंबर 2021 में एक वाणिज्यिक ईवी वित्तपोषण मंच के रूप में की गई थी।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 80,000 के ऊपर खुला, निफ्टी भी 24 हजार के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों में तेजी और निरंतर विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों में तेजी आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 245.32 अंक चढ़कर 80,170.09 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 78.2 अंक की बढ़त के साथ 24,402.65 अंक पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में तेजी आई। पावर ग्रिड, नेस्ले, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे।

गौतम गंभीर को कोच बनाने से पहले BCCI ने नहीं ली विराट कोहली से सलाह, हार्दिक बंड्या को थी जानकारी

गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने से पहले बीसीसीआई ने विराट कोहली से सलाह नहीं ली थी। गंभीर राहुल द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के हेड को बने हैं। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के साथ समाप्त हुआ।

गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त करने से पहले बीसीसीआई ने विराट कोहली से सलाह नहीं ली थी। गंभीर राहुल द्रविड़ की जगह टीम इंडिया के हेड को बने हैं। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 के साथ समाप्त हुआ। उनकी अगुवाई में टीम इंडिया ने पिछले एक साल में तीन आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल खेले जिसमें एक में भारत जीता तो दो हारे। विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच रिश्तों में उतार–चढ़ाव की स्थिति है। आईपीएल 2024 के दौरान दोनों के बीच सबकुछ अच्छा होता दिखा था। दोनों गले भी मिले लेकिन अतीती में वे कई बार तीखी बहस में शामिल रहे और ये अनुमान लगाया गया कि कोहली नए मुख्य कोच के चयन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं, हालांकि, जब बोर्ड ने गौतम गंभीर को नियुक्त किया तो ऐसा नहीं था। बीसीसीआई ने गौतम गंभीर के साथ 5 साल का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है, इस दौरान टीम इंडिया चौंपियंस ट्रॉफी 2025, टी20 वर्ल्ड कप 2026, वनडे वर्ल्ड कप 2027 और डब्ल्यूटीसी 2025–2027 सहित पांच आईसीसी इवेंट खेलेगी। विराट कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप के बाद क्रिकेट के सबससे छोटे फॉर्मेट से तो संन्यास की घोषणा कर दी है, मगर वह वनडे फॉर्मेट कम से कम 2027 वर्ल्ड कप तो जरूर खेलेंगे। भविष्य को ध्यान में रखते हुए, बीसीसीआई ने कोहली से सलाह किए बिना गंभीर की नियुक्ति पर फैसला किया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने हिंदुस्तान टाइम्स को इस बात की पुष्टि की। बीसीसीआई सूत्र ने कहा कि, दोनों के बीच बातचीत के लिए पर्याप्त समय है। लेकिन बोर्ड के लिए बड़ी तस्वीर देखना अहम है, क्योंकि आने वाले सालों में कई युवा खिलाड़ियों के खेलने की संभावना है। वहीं रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि, हार्दिक पंड्या उन कुछ खिलाड़ियों में से एक थे जिनकी राय बोर्ड ने गंभीर को भारत का मुख्य कोच नियुक्त करने से पहले ली थी। रोहित शर्मा के टी20 से रिटायरमेंट लेने के बाद संभावनाएं हैं कि हार्दिक पंड्या को इस फॉर्मेट में टी का कप्तान बनाया जा सकता है।

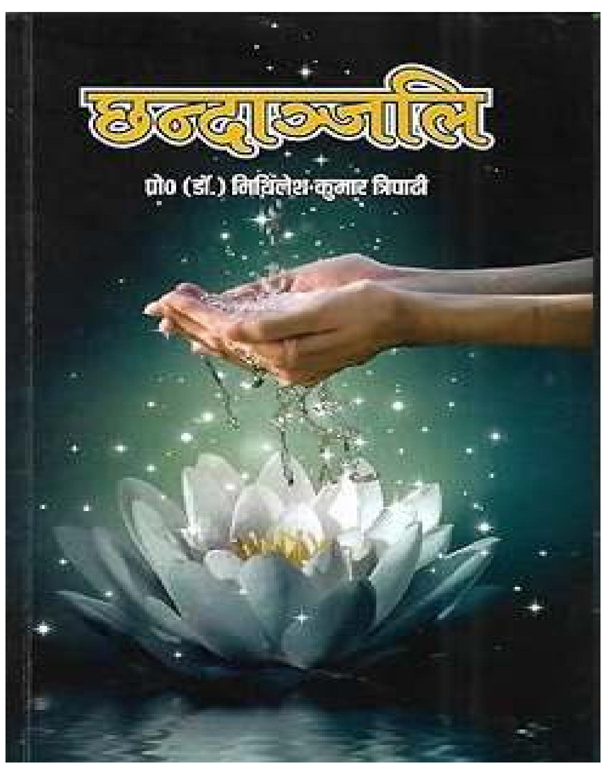

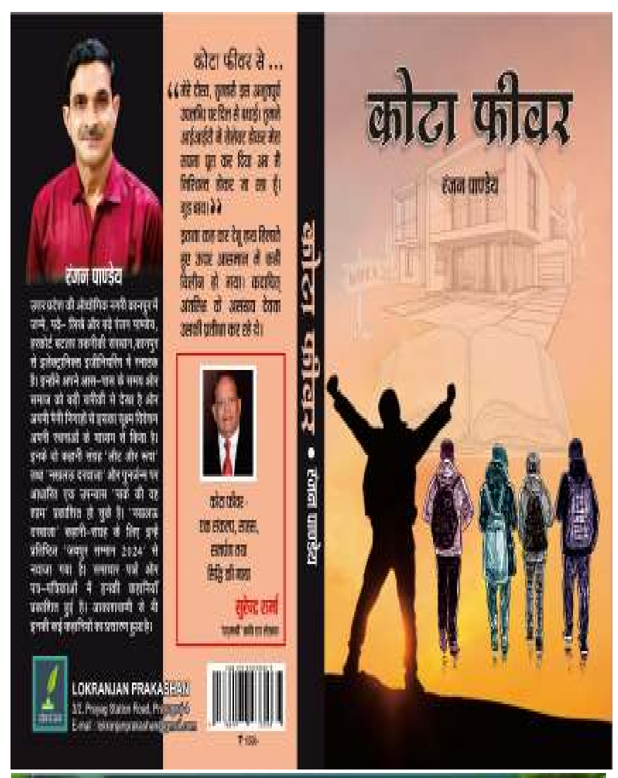

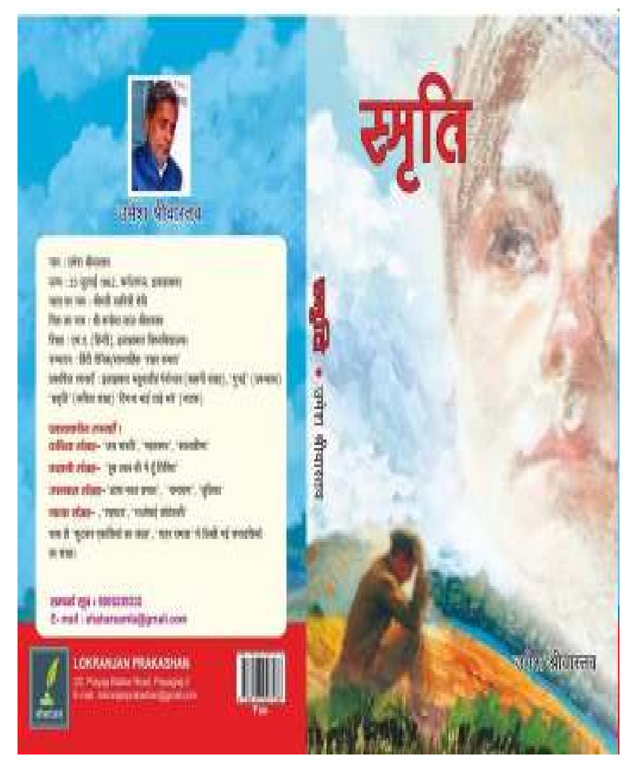

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

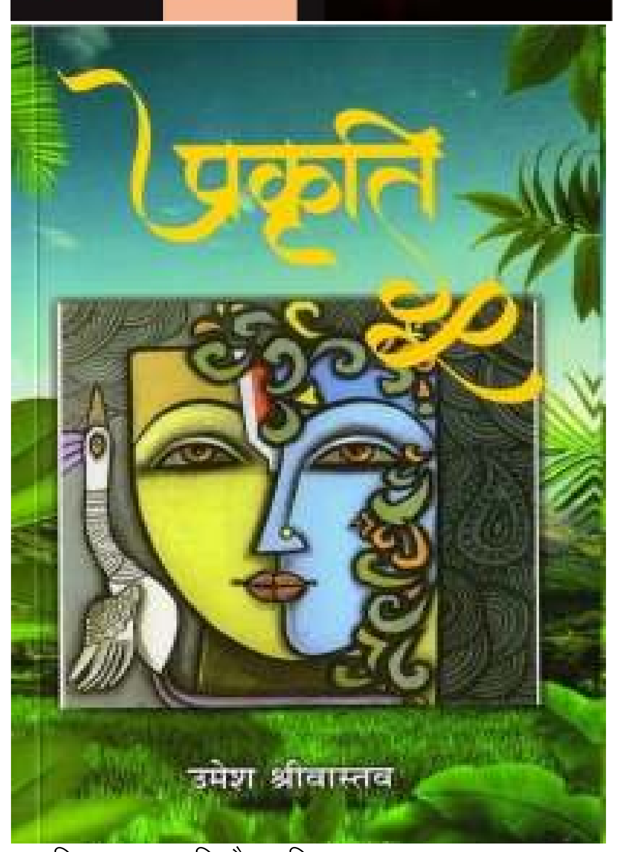

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

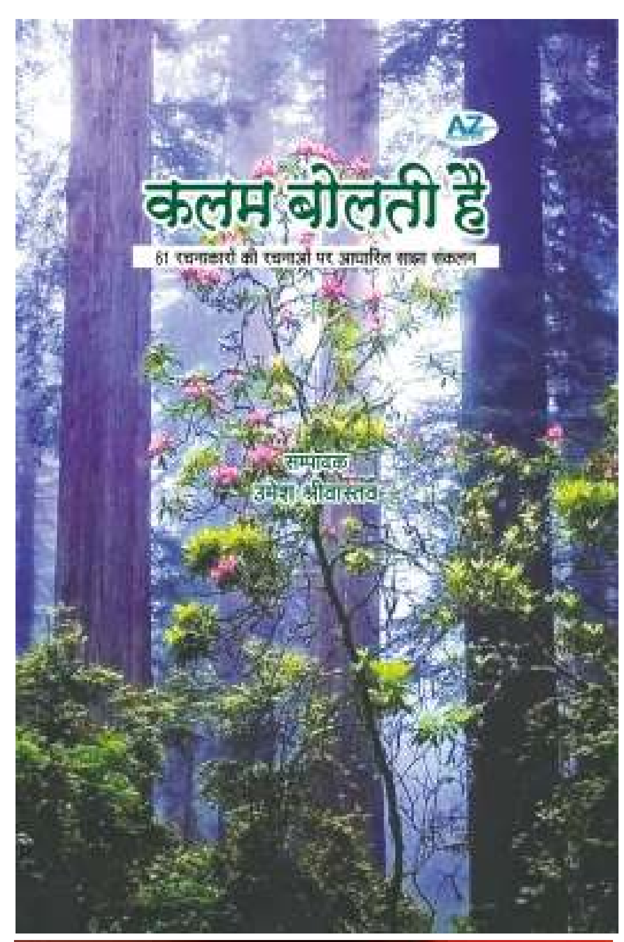

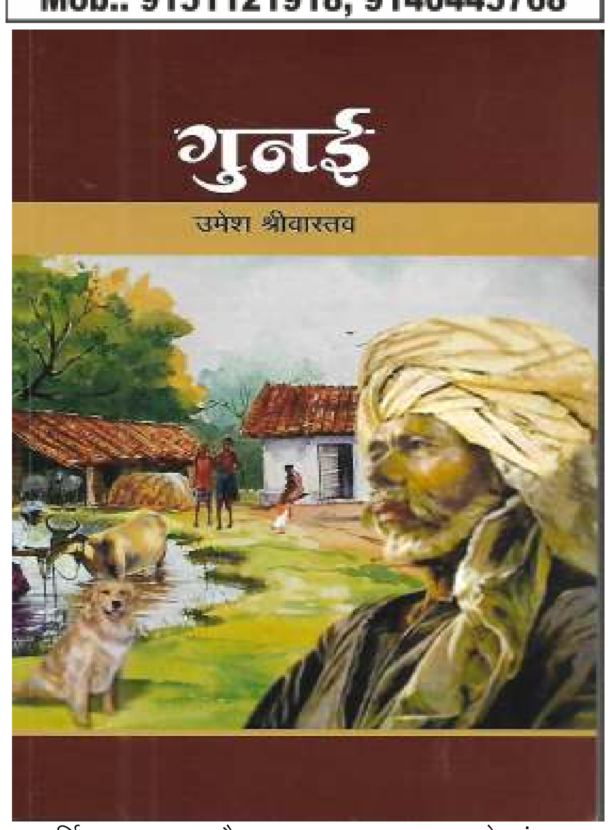

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

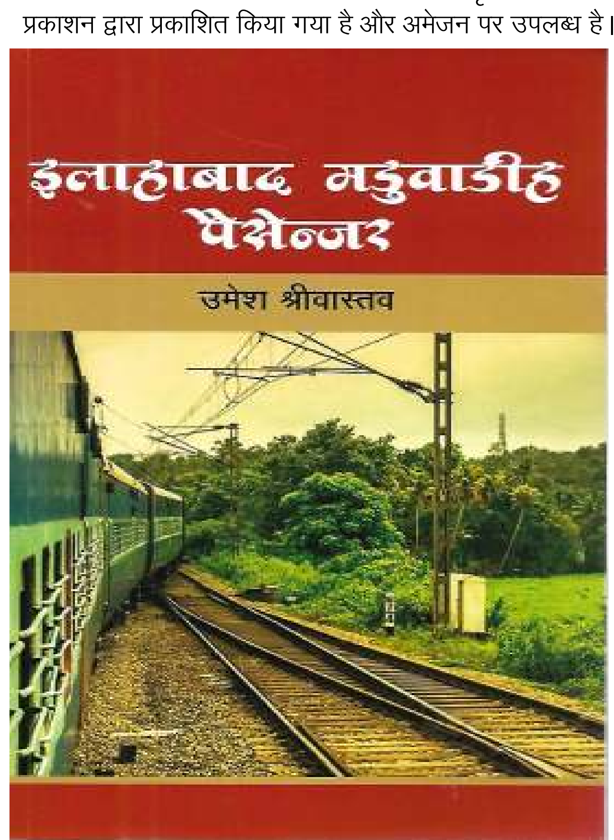

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

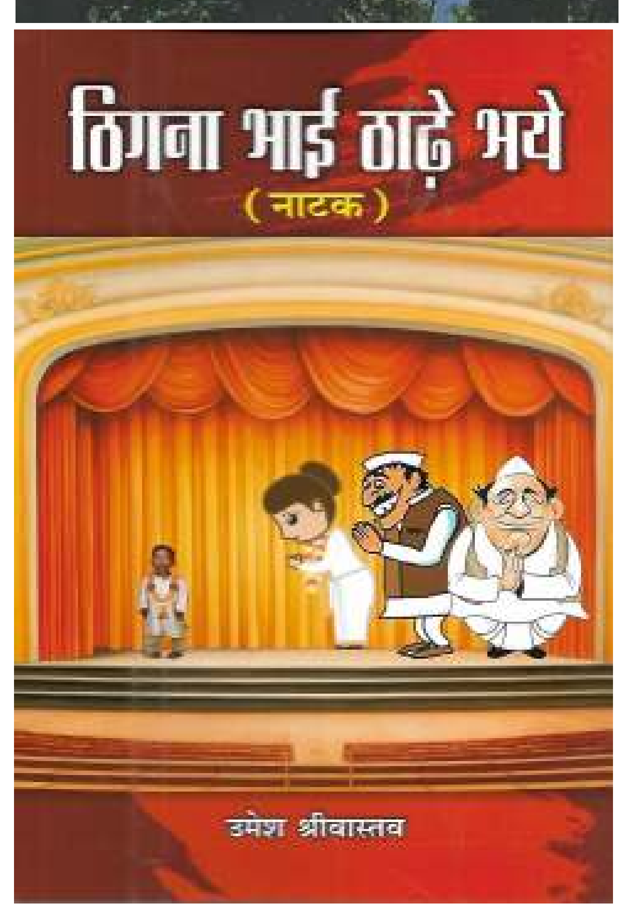

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

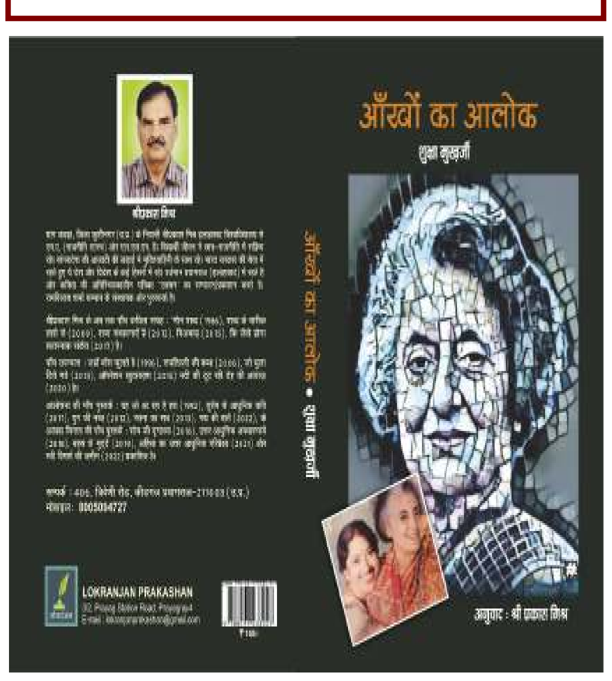

सम्पादकीय.......

निशाने पर सेना

जम्मू–कश्मीर के कठुआ में घात लगाकर किये गये आतंकी हमले में पांच सैनिकों का शहीद होना दुखद घटना है। हाल के दिनों में सेना व सुरक्षाबलों पर लगातार बढ़ते आतंकी हमलों ने देश की चिंता बढ़ाई है। हाल के लोकसभा चुनाव में जम्मू–कश्मीर में भारी मतदान को संकेत माना जा रहा था कि जम्मू–कश्मीर का जनमानस राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़कर लोकतंत्र पर भरोसा जता रहा है। यह भी कि राज्य में बहुप्रतीक्षित विधानसभा चुनाव के लिये अनुकूल माहौल बन रहा है। लेकिन हाल में लगातार बढ़ते हमलों ने हमारी चिंता बढ़ा दी है। यहां उल्लेखनीय है कि ये हमले केंद्र में तीसरी बार राजग सरकार के सत्तारूढ़ होने के बाद अचानक बढ़े हैं। बहरहाल आठ जुलाई को सुनियोजित ढंग से किये गए चरमपंथी हमले में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी समेत पांच जवानों की मौत हुई है, वहीं पांच सैनिक घायल भी हुए हैं। बताते हैं आतंकवादियों ने घाटी में मारे गए बड़े आतंकी बुरहान वानी की बरसी पर यह हमला किया है। बहरहाल, कठुआ से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर बदनोटा में हुए घातक हमले ने आतंकियों के दुस्साहस को उजागर किया है। सवाल उठता है कि जब सशस्त्र सैनिक भी आतंकवादियों की जद में आ रहे हैं तो आम नागरिकों के लिये तो यह कितनी बड़ी चुनौती होगी? हालांकि, इस हमले की अभी तक किसी चरमपंथी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन आशंका है कि पाक अधिकृत कश्मीर से आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले संगठनों का इस घटना में हाथ हो सकता है। सेना इस इलाके में गहन सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अभी घटना के सूत्र हाथ नहीं लगे हैं। दरअसल, घटनास्थल घने जंगलों से घिरा है और कठुआ से काफी दूर है। हाल के दिनों में आतंकवादियों ने जम्मू के इलाकों में आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। ग्यारह जून को भी कठुआ के एक गांव में हुई भिड़ंत में दो चरमपंथी तथा सीआरपीएफ का एक जवान मारा गया था। उल्लेखनीय है कि आठ जुलाई 2016 को सुरक्षाबलों से हुई मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन कमांडर बुरहान वानी की मौत हो गई थी। जिसके बाद घाटी में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। बहरहाल, हाल के दिनों में बढ़ी आतंकवादी घटनाएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। दरअसल, केंद्र सरकार दावा करती रही है कि जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद आतंकी हमलों व पत्थरबाजी की घटनाओं में कमी आई है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पांच जवानों को खोने पर दुख जताया है और घटना की निंदा की है। निस्संदेह, जम्मू–कश्मीर की मौजूदा स्थिति की गंभीर समीक्षा की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि केंद्र में नई सरकार के लिये जनादेश आने के कुछ दिन बाद ही नौ जून को जम्मू–कश्मीर के रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए चरमपंथियों के हमले में नौ लोग मारे गए थे और बड़ी संख्या में यात्री घायल हुए थे। दरअसल, आतंकियों ने सुनियोजित तरीके से बस के चालक को निशाने पर लिया था और चालक के नियंत्रण खोने के बाद बस खाई में जा गिरी थी। यहां ध्यान देने योग्य बात यह भी कि केंद्र में भाजपा नीत गठबंधन के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद हमलों में तेजी आई है। इसमें दो राय नहीं कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों की गतिविधियां सीमा पार से मिलने वाली मदद के बिना संभव नहीं हैं। इसे पाकिस्तान की हताशा भी कहा जा सकता है। यह भी हो सकता है कि पाक हुक्मरान ये भ्रम पाले हों कि पूर्ण बहुमत न पाने के कारण दिल्ली में पहले जैसी सशक्त सरकार नहीं है, जो आतंकवाद का पहले की तरह सख्ती से मुकाबला कर सके। लेकिन पाकिस्तान को भारतीय लोकतंत्र की क्षमता, सक्षम तंत्र और सशक्त सेना की ताकत का अहसास होना चाहिए। लेकिन तय है कि आतंकवाद के इस नये छद्म युद्ध के मुकाबले के लिये केंद्र व सुरक्षा बलों को नये सिरे से रणनीति तैयार करनी होगी। हम अपने जवानों को यूं ही नहीं गवां सकते। फिलहाल पाकिस्तान को भी संदेश देने की जरूरत है कि वह आतंकवादियों को मदद देना बंद करे।

आज का राशिफल

मेष :– भावना और संवेदनशीलता में बहकर स्त्रीवर्ग से सम्बंध न बांधें। मन दुविधा में रहने से निर्णय लेने में बाधा आ सकती है। प्रवास टालें

वृषभ :– आपको वाद–विवाद में अच्छी सफलता मिलेगी। परिश्रम की अपेक्षा कम प्राप्ति होने पर भी अपने कार्य में आप अग्रसर हो सकेंगे।

मिथुन :– आप वाक्चातुर्य से मीठे सम्बंध बांध सकेंगे, जो कि भविष्य में आपके लिए लाभदायी सिद्ध होंगे। वैचारिकरुप से समृद्धि बढ़ेगी।

कर्क :– आज का दिन प्रफुल्लितता से भरा रहेगा। नए कार्य का आरंभ भी आज कर सकते हैं। मित्रों और स्नेहीजनों से भेंट होने से आनंद हो सकता है।

सिंह :– आपके लिए मिश्र फलदायी है आज का दिन। परिजनों के साथ आप अच्छी तरह से समय बिताएंगे। उनका सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या :–आज का दिन परोपकार और सदभावनाओं में बीतेगा। मानसिक रूप से कार्यभार अधिक रहेगा। आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला :– आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल रहने से सावधानी बरतने की गणेशजी सलाह देते हैं। आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिक :– आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। मित्रों के साथ भेंट होगी तथा उनके साथ घूमने–फिरने, आनंद–प्रमोद करने में खर्च होगा।

धनु :– आपकी यश, कीर्ति और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में उच्च पदाधिकारी खुश रहने से पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा।

मकर :– बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ करेंगे।

कुंभ :– आपको आज निषेधात्मक कार्यों और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह देते हैं। झगड़े– विवाद से बचें, क्रोध और वाणी पर संयम रखें।

मीन :– दैनिक कार्यों से बाहर निकल कर आज आप घूमने–फिरने और मनोरंजन के पीछे समय बिताएंगे। व्यवसाय में भागीदारी के लिए शुभ समय है।

जम्मू-कश्मीर की चिंता

अरविन्द मोहन

देश के पहले आम चुनाव के बाद बनी प्रथम लोकसभा में (1952) कांग्रेस ने जीवी मावलंकर तथा विपक्ष ने शंकर शांताराम मोरे को इस पद के लिये उम्मीदवार बनाया था। मावलंकर ने 394–55 से जीत हासिल की थी।

जम्मू और कश्मीर से लगातार जो खबरें आने लगीं यही वे चिंता से भी ज्यादा डर पैदा करती हैं। डर इस बात का नहीं है कि हमारी फौज के जवानों का हौसला पस्त होगा या हमारी सरकार ही कमजोर पड़ जाएगी और आतंकियों तथा उनके पीछे बैठे उनके पाकिस्तानी आकाओं का हौसला इतना बढ़ जाएगा कि वे हमें लंबे समय तक भारी परेशान कर देंगे। लेकिन जो कुछ हो रहा है वह इतना तो बताता ही है कि आतंकियों ने हथियार नहीं डाला है, पाकिस्तान से घुसपैठ हो रही है, पाक मदद जारी है और हमारे अपने कश्मीरी समाज से आतंकियों को मदद मिले न मिले लेकिन हमारे खुफियातंत्र को उनसे जरूरी सूचनाएं नहीं मिल रही है। ऐसा जाना–बूझकर हो रहा है या फौजी उपस्थिति का दबदबा और खौफ ऐसा करा रहा है, यह मालूम नहीं है। लेकिन खुफिया सूचनाओं में फौजी तंत्र को पर्याप्त फीड नहीं है, तभी हमले हो रहे हैं। कठुआ के बनडोटा गांव के पास आतंकियों ने जिस तरह घात लगाकर फौजी वाहन पर हमला किया और चार जवानों को मारने के साथ ही अनेक को घायल कर दिया उसमें उनको एक स्थानीय आतंकी के पूरा सहयोग मिलने की बात सामने आ रही है। उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इस बार घाटी से भी ज्यादा वारदातें जम्मू इलाके में हो रही हैं। अकेले जून में ही चार बड़ी वारदातें जम्मू इलाके में हो चुकी हैं। बल्कि मई में तो वायु सेना के दो हेलीकाप्टरों तक को निशाना बनाया गया जिसमें एक जवान की मौत भी हुई। कठुआ के ही हीरन नगर में सेदा सोहल गांव में जब फौज और आतंकियों में मुठभेड़ हुआ तो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक जवान और दो आतंकी मारे गए थे। बनडोटा में कई जवान घायल हैं और लेख के लिखे जाने तक भी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई जारी थी। दो जवान गंभीर रूप से घायल थे और उनको बिलावर के अस्पताल में भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि जम्मू इलाके को अपेक्षाकृत शांत मानकर वहां से फौज की संख्या कम की गई थी और यह रिपोर्ट भी है कि पाकिस्तान से जिन 70 से 80 आतंकियों के घुसपैठ का अनुमान है उनमें से ज्यादातर अभी इसी इलाके में हैं। वे चार–चार, पांच–पांच की टोली बनाकर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। और यह बताने का मतलब नहीं है कि वे घाटी को छोड़ गए हैं और जब बर्फ पड़ेगी तो घाटी वाली सीमा ही उनके लिए घुसपैठ का रास्ता बनती है। जम्मू–कश्मीर और खास तौर से जम्मू क्षेत्र को आतंकी क्यों वारदातों के लिए चुन रहे हैं इसको समझना मुश्किल नहीं है। धारा 370 हटे और राज्य का विभाजन हुए पांच साल होने को आए हैं, और सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि सितंबर के पहले जम्मू और कश्मीर में चुनाव हो जाने चाहिए। राज्य में विधानसभा की सीटों के पुनर्गठन का काम भी पूरा हो चुका है और इसे लेकर भी हल्की नाराजगी है। आतंकवादियों की गतिविधियों से इस चुनाव का साफ रिश्ता है। हमने यह भी देखा है कि लंबा चले लोक सभा चुनाव में भी आतंकी घटनाएं बढ़ने लगी थीं। यहां हम लद्दाख क्षेत्र के चुनाव और राज्य का बंटवारा करने वाली पार्टी के प्रदर्शन की चर्चा नहीं करेंगे। जम्मू और कश्मीर घाटी में राज्य का बंटवारा मुद्दा था और उससे भी उल्लेखनीय खुद चुनाव था जिसमें लोगों की भागीदारी तो ठीक–ठाक हुई लेकिन स्थापित दलों की हालत खराब रही। बड़े–बड़े नेता ढेर रहे। नेशनल कांफ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन तथा पीडीपी के नेता तो चुनाव लड़े और हारे लेकिन भाजपा और उसके दुलारे गुलाम नबी आजाद की पार्टी तो घाटी के चुनाव मैदान में उतारने से डर गई और मैदान ही छोड़ दिया। लोगों ने मतदान में हिस्सा लेकर जिन्हे जिताया और जिन्हें हराया उन सबके माध्यम से अपना जनादेश साफ कर दिया। केंद्र में बैठे नेताओं ने इस जनादेश को ठीक समझा हो ऐसा नहीं लगता। हार या जीत को सीधे फेस करने और चुनाव में हिस्सा लेकर जो संदेश दिया जा सकता था(राजीव–फारुख समझौते के बाद हुए चुनाव में अपनी पराजय के बाद राजीव गांधी ने बड़ी शालीनता से जनादेश को स्वीकार किया था) वह तो दूर, जाने क्या–क्या दावे किए जाते रहे। रक्षा मंत्री और गृह मंत्री तो यह बयान भी देते रहे कि पाक अधिकृत कश्मीर खुद ब खुद हमारी ओर आने वाला है क्योंकि हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं(और पाकिस्तान कटोरा लेकर घूम रहा है) उसे देखकर ही कश्मीरी लोग लट्टू हो गए हैं। अभी तक राज्य में लाखों की संख्या में जवान तैनात हैं। निश्चित रूप से इसके कारण पहले की तुलना में हाल तक ज्यादा शांति रही है। उनके खर्च की बात छोड़ भी दें तो निवेश से लेकर शेष देश के जुड़ाव के जो सपने दिखाए गए थे, वे कहां हैं यह कोई भी पूछ सकता है? चुनाव में भी इस तरह के पिटे मोहरों और भगोड़े दस्तों पर लोग कितना भरोसा करेंगे कहना मुश्किल है। चुनाव कराने के क्रम में ऐसी सख्ती नहीं रखी जा सकती। आतंकी इस ताक में थे और हथियार–गोला–बारूद तथा प्रशिक्षण पा रहे थे। वारदातें बढ़ना उसी का प्रमाण है। और याद रखें कि अब सामान्य गैर–मुसलमान लोग या प्रवासी निशाने पर नहीं हैं। रियासी में तीर्थयात्रियों वाली बस को निशाना बनाने तक ऐसी रणनीति दिखती थी। अब तो सीधे फौज के लोग निशाने पर हैं। एक थ्योरी यह चल रही है कि पाक अधिकृत कश्मीर में वहां के एक रिटायर ब्रिगेडियर और आईएसआई के आपरेटर आमीर हमजा समेत 21 कश्मीरी आतंकियों की रहस्यमय हत्या के बाद से ही ये वारदातें और घुसपैठ बढ़ी है। हमजा 2018 में सुनजवां सैनिक कैम्प पर हुए से जुड़ा था। उसकी और इन 21 लोगों की हत्या कुछ अनाम बंदूकधारियों ने कर दी थी।

भारत की धीमी औद्योगिक वृद्धि के पीछे कम एफडीआई प्रवाह ही मुख्य कारण

नन्तू बनर्जी

यह अजीब लग सकता है कि औद्योगिक महाशक्ति और एक प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को पिछले साल केवल 28अरब अमेरिकी डॉलर का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ, जबकि छोटे से सिंगापुर में 160अरब डॉलर और हांगकांग में 113अरब डॉलर के एफडीआई का प्रवाह हुआ। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के अनुसार, आर्थिक मंदी और बढ़ते भू–राजनीतिक तनावों के बीच भारत में एफडीआई प्रवाह में 43प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें दो प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 13खरब डॉलर रह गया है। भारत को वास्तव में मजबूत अर्थव्यवस्था बनने के लिए अगले 10 वर्षों में कम से कम 150–200बिलियन डॉलर की वार्षिक आवश्यकता होगी। नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को आने वाले वार्षिक बजट में देश में बड़े पैमाने पर एफडीआई प्रवाह के लिए सभी बाधाओं को दूर करने का ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद, 2023–24 में मौजूदा कीमतों पर भारत का सकल घरेलू उत्पाद केवल 35.2खरब डॉलर होने का अनुमान लगाया गया है। इसके विपरीत, पड़ोसी चीन का सकल घरेलू उत्पाद 2023 में 1260.6खरब युआन था, जो 178.9खरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है। भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि का रुझान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व के लक्ष्य से दूर है जिसमें चालू वित्त वर्ष के अंत में 50 खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के निशान को छूने का लक्ष्य रखा गया था। भारत को अपनी गरीबी और बेरोजगारी से निपटने के लिए कई वर्षों तक दोहरे अंकों की वार्षिक आर्थिक वृद्धि की आवश्यकता है। देश को अपनी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। अधिशेष धन वाले मुट्ठी भर घरेलू औद्योगिक निवेशक ऐसी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते। चीन का विशाल आर्थिक उत्थान देश में साल दर साल बड़े पैमाने पर एफडीआईप्रवाह द्वारा संभव हुआ है। 2021 में, चीन में एफडीआई प्रवाह 344 अरब डालर के शिखर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, चीनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) द्वारा अन्य देशों में निवेश 2023 में पूरा हुआ। चीन से आउटबाउंड ग्रीन फील्ड एफडीआई 140अरब डालर से अधिक था, जिसने एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह आउटबाउंड चीनी विलय और अधिग्रहण में गिरावट के बाद है क्योंकि पश्चिमी सरकारों ने प्रस्तावित चीनी विलय और अधिग्रहण सौदों की जांच तेज कर दी है। चीन स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नये बाजारों में विस्तार कर रहा है। नवीनतम रिपोर्टों से पता चलता है कि भारत का तेजी से विस्तार करने वाला अडानी समूह, जो सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का एक प्रमुख प्राप्तकर्ता है, ने अपनी महत्वाकांक्षी सौर विनिर्माण परियोजना में मदद के लिए आठ चीनी कंपनियों का चयन किया है। गुजरात में चीन से जुड़ी एमजी मोटर्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दे रही है। संयोग से, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका एफडीआई का शीर्ष प्राप्तकर्ता बना हुआ है, जो 2023 में कुल 341अरब डॉलर था। अमेरिका में एफडीआई प्रवाह 2015 और 2016 में क्रमशरू 484अरब डॉलर और 480अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। हाल ही में अमेरिका में एफडीआई प्रवाह में काफी कमी आई है। शीर्ष–20 मेजबान अर्थव्यवस्थाओं में, एफडीआई प्रवाह में सबसे बड़ी गिरावट फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, चीन, अमेरिका और भारत में दर्ज की गई। भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी किये गये आंकड़ों में बताया गया है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उच्च ब्याज दरों और देश में विभिन्न क्षेत्रों में सीमित अवशोषण क्षमता जैसे बाहरी कारकों के कारण 2023–24 में एफडीआई पांच साल के निचले स्तर पर आ गया। विडंबना यह है कि भारत में एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो तेजी से बढ़ रहा है, वह है शेयर बाजार। शेयर बाजार में जुआ खोलने वाले उच्च उपभोक्ता मुद्रास्फीति के बावजूद सूचीबद्ध शेयरों की कीमतों में और उछाल देखने के लिए कम ब्याज दरों के लिए अभियान चला रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है कि रिजर्व बैंक और सरकार ऐसे अभियानों के झांसे में आ सकते हैं। प्राथमिक बाजार में इक्विटी और ऋण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कुछ हद तक नगण्य है, फिर भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारत के शेयर बाजार को अत्यधिक जीवंत और अस्थिर बनाने के लिए लुका–छिपी का खेल जारी रखते हैं, जिससे यह सट्टेबाजों के लिए स्वर्ग बन जाता है। अधिकांश विदेशी सट्टेबाजों ने इस साल की शुरुआत में लोकसभा (निचले सदन) चुनाव के बाद केंद्र में अस्थिर सरकार की संभावना के डर से बाजार से धन बाहर निकलना शुरू कर दिया था। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सत्ता में वापसी ने इन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को वापस लाना शुरू कर दिया। लोकसभा चुनाव से पहले दो महीने तक शुद्ध निकासी के बाद, वे पिछले महीने खरीदार बन गये। जून में उन्होंने शेयरों की खरीद में लगभग 26,500 करोड़ रुपये और ऋ ण साधनों में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। पिछले हफ्ते देश के शेयर बाजार के बेंचमार्क– 30 शेयरों वाला सेंसेक्स और निफ्टी–50 ने नये रिकॉर्ड बनाते हुए भारी बढ़त दर्ज की। भारत में एफडीआई प्रवाह की खराब स्थिति को लेकर बहुत कम लोग चिंतित हैं। अभी तक, अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी को छोड़कर बहुत कम ओईसीडी देश भारत में सीधे निवेशक हैं। निवेश मुख्य रूप से मॉरीशस और सिंगापुर जैसे देशों के जरिये होता है। अप्रैल 2000 से मई 2010 के बीच भारत में कुल एफडीआई प्रवाह में मॉरीशस का हिस्सा 25 प्रतिशत था। 2024 तक भारत में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 24 प्रतिशत की गिरावट आयेगी, इसके बाद सिंगापुर और अमेरिका का स्थान है। पिछले वित्त वर्ष में मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, यूएई, केमैनआइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित सभी प्रमुख निवेशक देशों से भारत में एफडीआईइच्टिी प्रवाह में गिरावट आई है। ऐसा माना जाता है कि बहुत सारे एफडीआई निवेशक वास्तव में विदेशों में भारतीय संस्थाएं हैं जो छोटे देशों में शेल कंपनियों के माध्यम से निवेश करती हैं। अब समय आ गया है कि सरकार एफडीआई इक्विटी प्रवाह को अत्यधिक आकर्षक और खुला बनाने के लिए कदम उठाये, जैसा कि उसने पिछले साल सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विदेशी निवेश के लिए किया था। देश के आगामी राष्ट्रीय बजट 2024–25 में भारत में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में आने वाली सभी बाधाओं को दूर कर देना चाहिए। बड़े देश भारत में निवेश करने और भारत और उनके विदेशी निवेशकों दोनों के लिए लाभ उठाने के लिए तैयार हैं। हालांकि, जब से यूएनसीटीएडी निवेशक सर्वेक्षणों ने एफडीआई गंतव्य के रूप में भारत में मजबूत रुचि की ओर इशारा किया है, तब से कुछ अदृश्य घरेलू हित आड़े आ रहे हैं। कई साल पहले, ए.टी. कियर्नी सर्वेक्षण ने भी भारत को श्एफडीआई के लिए दूसरा सबसे आकर्षक गंतव्यश बताया था। दुर्भाग्य से, इस पर अभी तक आवश्यक सरकारी कार्रवाई और नीतिगत सुधारों पर ध्यान केंद्रित करके, बुनियादी ढांचे और नियामक बाधाओं को दूर करके अमल में नहीं लाया जा सका है।

मोदी की सफल रूस यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 और 9 जुलाई को दो दिन की रूस यात्रा पर थे। करीब पांच वर्षों के अंतराल के बाद भारतीय प्रधानमंत्री की रूस यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंधों को कुछ और प्रगाढ़ता मिली ही, इसके साथ ही वैश्विक राजनीति में यह बड़ा संदेश भी गया कि अब दुनिया एकध्रुवीय व्यवस्था के इर्द–गिर्द नहीं रहेगी, बल्कि बहुध्रुवीय समीकरणों से ही वैश्विक राजनीति संचालित होगी। भारत–रूस के बीच आखिरी वार्षिक शिखर वार्ता नयी दिल्ली में छह दिसंबर 2021 को हुई थी, तब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भारत दौरे पर थे, 2020 में कोविड महामारी के कारण यह वार्षिक बैठक नहीं हो पाई थी। फिर यूक्रन युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक श्री मोदी रूस दौरे पर नहीं गए थे। उनका आखिरी दौरा सितंबर 2019 में हुआ था। लेकिन इतने उतार–चढ़ाव के बावजूद दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और सौहार्द्र का रिश्ता कायम ही रहा। 9 जुलाई को रूस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए नरेन्द्र मोदी ने एक बड़ी मार्के की बात कही कि रूस शब्द सुनते ही हर भारतीय के मन में सबसे पहला शब्द आता है, भारत का सुख–दुख का साथी। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि आजादी के बाद से अब तक दुनिया के तमाम देशों में रूस ही वह देश रहा है जो हर मुकाम पर भारत के साथ खड़ा दिखाई दिया है। भारत ने भी इस बीच आर्थिक, सामरिक या तकनीकी सहयोग के लिए दूसरे देशों से समझौते किए, संबंधों में नयी मजबूती दिखाई, लेकिन रूस के साथ भारत के संबंध जैसे पहले थे, अब भी वैसे ही हैं। यूक्रेन से युद्ध के कारण रूस और भारत के संबंधों पर भी सबकी निगाहें बनी हुई थीं, क्योंकि पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन आलोचनाओं के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा था। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर भारत की विश्वशांति की हिमायत शिखर वार्ता में की। राष्ट्रपति पुतिन को श्री मोदी ने कहा कि एक मित्र के तौर पर मैंने हमेशा कहा कि युद्ध के मैदानों से शांति का रास्ता नहीं निकलता है। बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति संभव नहीं होती है। नरेन्द्र मोदी का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब यूक्रेन में एक अस्पताल पर रूस के हमले में बच्चों समेत 37 लोगों के मारे जाने की खबर है। रूस के इस हमले की अमेरिका, यूक्रेन और नाटो देश निंदा कर ही रहे हैं, इस बीच भारत ने रूस को यह नसीहत देकर बता दिया कि वह किसी भी तरह की हिंसा और युद्ध के खिलाफ ही है। इसलिए इस बात को केवल रूस तक सीमित न रखकर इसके व्यापक मायने समझने की भी जरूरत है। अमेरिका और यूक्रेन अगर रूस के हमलों की आलोचना कर रहे हैं, तो उन्हें इजरायल के गजा पर हो रहे हमलों पर भी वही रुख अख्तियार करना चाहिए। लेकिन अमेरिका अब भी फिलीस्तीन पर इजरायल की क्रूरता को नहीं रोक रहा, न ही एक बड़े नरसंहार के दाग से खुद को बचा पा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा ऐसे वक्त पर हुई, जब अमेरिका में रूस–यूक्रेन संघर्ष को केन्द्रित करते हुए नाटो की बैठक थी। अमेरिका अब भी भारत को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश में लगा है। मोदी–पुतिन बैठक से पहले अमेरिकी विदेश विभाग का बयान था कि अमेरिका को उम्मीद है कि भारत, या कोई अन्य देश जब रूस के साथ बातचीत करेगा, तो श्यह स्पष्ट करेगा कि मॉस्को को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदीमीर जेलेंस्की ने मॉस्को में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक की निंदा करते हुए इसे शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका बताया। भारत जानता था कि श्री मोदी के रूस दौरे पर उसे इस तरह के दबाव का सामना करना पड़ेगा। लेकिन आजादी के बाद से ही भारत की विदेश नीति कुछ इस तरह तैयार की गई है कि वह किसी के दबाव या गुटबाजी में नहीं आता है। अपनी यात्रा में श्री मोदी ने एक तरफ यक्रेन को लेकर राष्ट्रपति पुतिन को नसीहत दी, तो वहीं पुतिन ने भी यूक्रेन संघर्ष के समाधान की कोशिशों के लिए भारत का आभार जताया। रूस के साथ संबंधों को गहरा करने के लिए कजान और इकेतेरिनबुर्ग में कॉन्सुलेट खोलने का निर्णय भारत ने लिया है। खबरें ये भी हैं कि श्री मोदी ने रूसी सेना में जबरन भर्ती किए भारतीयों का मुद्दा पुतिन के सामने उठाया। जिस पर पुतिन ने आश्वासन दिया है कि वे सभी भारतीयों को बहाल कर देंगे। बताया जा रहा है कि यूक्रेन जंग के बीच लगभग 40 भारतीय रूसी सेना में तैनात हैं, पिछले महीने 2 लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे कठिन हालात में भारतीय प्रधानमंत्री की पहल से अगर रूसी सेना से भारतीयों को मुक्ति मिलती है, तो यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत के तौर पर देखा जाना चाहिए। इधर अमेरिका और उसके समर्थक देशों को यह सच्चाई स्वीकार कर लेनी चाहिए कि भारत उनके इशारों या दबाव पर न चला है, न चलेगा, न ही अब वैश्विक व्यवस्थाएं उनके इशारों पर चलेंगी। ब्रिटेन और ईरान के बाद अब फ्रांस में भी जिस तरह दक्षिणपंथियों की राजनीति को जनता ने नकार दिया है, उससे साफ है कि जनता अमन चाहती है, जो सबके विकास के लिए जरूरी है। फ्रास में सबसे अधिक सीटें हासिल करने वाले वामपंथी धड़े न्यू पॉपुलर फ्रंट ने घोषणा भी कर दी है कि वह फिलीस्तीन को मान्यता देगा। यानी अब वैश्विक समीकरण तेजी से बदलते हुए दिख रहे हैं।

मीरा राजपूत को सादगी से भरे स्टाइल आते हैं पसंद, फैशन ट्रेंड पर खुलकर की बात

" मीरा राजपूत कपूर ने कहा, मेरे लिए फैशन पर्सनल स्टाइल और अपने व्यक्तित्व की विशेषता दिखाने का तरीका है। यह कपड़ों और एक्सेसरीज के जरिए खुद को इस तरह से पेश करने के बारे में है जो ऑथेंटिक और कम्फर्टेबल लगता है।

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने बताया कि उन्हें सादगी से भरे स्टाइल पसंद आते हैं। उनके लिए फैशन पर्सनल स्टाइल और अपना व्यक्तित्व दिखाने का तरीका है। मीरा राजपूत कपूर ने कहा, मेरे लिए फैशन पर्सनल स्टाइल और अपने व्यक्तित्व की विशेषता दिखाने का तरीका है। यह कपड़ों और एक्सेसरीज के जरिए खुद को इस तरह से पेश करने के बारे में है जो ऑथेंटिक और कम्फर्टेबल लगता है। ज्वेलरी लेबल परफेक्टली एवरेज की ब्रांड एंबेसडर मीरा ने मीडिया रिपोर्टर को बताया, "मुझे सादगी से भरपूर स्टाइल पसंद आते है। मैं ऐसे कपड़ों को ज्यादा चुनती हूं, जो क्लासिक होने के साथ–साथ मॉडर्न भी हों और दिन से रात तक आसानी से पहने जा सकें। मीरा ने कहा, "मुझे लगता है कि मैंने पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ सीखा है और अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। मेरे लिए, फैशन का मतलब सिर्फ ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि एक ऐसा वॉर्डरोब तैयार करना है जो मेरी पहचान को दर्शाता हो और मुझ में आत्मविश्वास भरता हो! ताकि हर बार जब आप किसी शो में नजर आएं, तो आपका स्टाइल बेहतरीन लगे। ग्लैमरस होने के साथ–साथ एवरेज दिखने के बीच बैलेंस कैसे बनाए, इस पर मीरा ने कहा, "मैं बाहर जाने के लिए ऐसी ड्रेस चुनती हूं, जो ग्लैमर दिखाने के साथ–साथ आरामदायक भी हो और मेरे आत्मविश्वास को भी बढ़ाए। 2021 में तारुशी छाबड़ा, पलक छाबड़ा और विधि झालानी द्वारा स्थापित इस लेबल की ब्रांड एंबेसडर होने के बारे में बात करते हुए मीरा ने कहा कि वे ऐसे आभूषण बनाते हैं जो सादगी का शान के साथ खूबसूरती से मिश्रण करते हैं। उनकी जूलरी सिर्फ एक्सेसरीज नहीं हैं, वे सादगी से भरी खूबसूरती का प्रतीक भी हैं जो रोजमर्रा के पहनावे को सहजता से पूरा करते हैं। मैं सराहना करती हूं कि वे सादगी का खास ध्यान रखते हैं, जो मेरी निजी स्टाइल फिलॉसफी के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है।

अनंत राधिका ने होली की तरह मनाई हल्दी सेरेमनी, सिर से लेकर पैर तक हुए पीले सलमान और रणवीर

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के घर में एक बार फिर शहनाई बजने वाली है। अंबानी परिवार के लाडले छोटे बेटे ।दंदज–त्कीपां जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएंगे। अब शादी होने में सिर्फ 3 दिन ही रह गए हैं। शादी के कार्यक्रम भी जारी हैं। शादी से पहले होने वाली तमाम रस्में जोर–शोर से शुरू हो गई हैं। अंबानी परिवार का हर सदस्य इस मेगा इवेंट और ग्रैंड बनाने में लगा हुआ है। बीते कई महीनों से शादी के फंक्शन जारी हैं, प्री–वेडिंग सेलिब्रेशन के बाद अब क्लोज फेस्टिविटीज सेलिब्रेट की जा रही हैं। शादी की रस्में मामेरू से शुरू हुईं और इसके बाद संगीत और हल्दी सेरेमनी का भी आयोजन किया गया। सोमवार को ही हल्दी सेरेमनी का आयोजन था, जिसमें बॉलीवुड के सितारों की फेहरिस्त देखने को मिली। जाह्नवी कपूर, सारा अली खान, अनन्या पांडे, सलमान खान, रणवीर सिंह जैसे कई सितारे इस इवेंट में शामिल हुए और इसे खास बना दिया। हल्दी सेरेमनी में सभी पीले रंग में रंगे नजर आए, न सिर्फ इन सितारों ने येलो आउटफिट कैरी किए बल्कि हल्दी में नहाए भी दिखे। झलकियां भी सामने आई हैं और ये सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि रणवीर सिंह सिर से लेकर पांव तक पीले रंग में रंगे दिख रहे हैं। वो पूरी तरह से हल्दी में नहाए नजर आ रहे हैं। उनका चेहरा भी हल्दी में पीला हो गया है। उन्होंने इवेंट से बाहर निकलते अंटीलिया के बाहर देखा जा सकता है। बता दें, अंबानी आवाज अंटीलिया में ही इस ग्रैंड हल्दी इवेंट का आयोजन किया गया। हल्दी सेरेमनी में सलमान खान भी हल्दी बाद आउटफिट चेंज किए नजर आए। काले कुर्ते में सलमान खान पहुंचे थे और जब वहां से लौटे तो उन्हें पीले कुर्ते में देखा गया। वो भीगे हुए भी नजर आए। उन्होंने जाहिर तौर पर हल्दी का रंग हटा दिया था। इसके अलावा अंबानी परिवार के सदस्य भी हल्दी के पीले रंग में रंगे दिखे। मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी और उनकी पत्नी टीना अंबानी भी अंटीलिया से बाहर जाते हुए स्पॉट किए गए। उन्हें पीले रंग में रंगे देखा गया। व्हाइट कुर्ते–पजामे में अनिल कपूर थे, उनके चेहरे और कपड़ों पर हल्दी का स्टेन साफ देखने को मिला। वहीं टीना अंबानी भी येलो आउटफिट में थीं और उनके चेहरे पर भी काफी हल्दी लगी हुई थीं। उन्होंने भी पैपराजी को पोज दिए। बता दें, 12 जुलाई 2024 को मुंबई के जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी संपन्न होगी। शादी का इवेंट तीन दिनों तक चलेगा। शादी की कई रस्में सात फेरों के बाद भी 13 जुलाई और 14 जुलाई को रखी गई हैं। में बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड स्टार्स के अलावा देश–दुनिया के कई नामी लोग भी इस इवेंट में शामिल होंगे, जिसकी झलकियां सोशल मीडिया पर काफी लंबे वक्त तक छाई नजर आएंगी।

'बैड न्यूज का न्यू रोमांटिक सॉन्ग जानम हुआ रिलीज, विक्की कौशल, एमी विर्क की सिजलिंग केमेस्ट्री ने लगाई आग

विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ती डिमरी स्टारर फिल्म 'ठंक छम्रू' का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में आपको रोमांटिक–कॉमेडी के साथ लव ट्राएंगल का चटकारा देखने को मिलने वाला है। बीते दिनों फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। इसके अलावा बीते दिनों फिल्म का पहला गाना 'तौबा तौबा' रिलीज हुआ है, जिसने आते ही इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस गाने में तृप्ती डिमरी ने अपनी अदाओं से लोगों को दीवाना बना दिया, तो वहीं विक्की अपने डांस की वजह से छा गए। उन्होंने एक–एक बीट पर ऐसे–ऐसे मूव्स किये, जो फैंस के दिलों पर छा गये। उनका गाना 'तौबा तौबा' इस वक्त सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं फैंस के सिर से अभी 'तौबा तौबा' गाने का खुमार उतरा भी नहीं था कि अब फिल्म से एक और नया गाना रिलीज कर दिया गया है, जिसने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। फिल्म के इस गाने का नाम 'जानम' है, जिसमें विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी ने जमकर इंटीमेट सीन किए हैं। वहीं बिकनी में तृप्ति कभी स्विमिंग पूल में तो कभी बेड पर तो कभी खाने की टेबल पर अपन हुस्न की बिजलियां गिराती नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी ने इस गाने में विक्की के साथ ऐसे सीन दिए हैं, जिसे देखते ही लोग घायल हो जाएं। विक्की के साथ उनका ये अंदाज देख लोगों के पसीने छूट गए हैं। दोनों इसमें हद से ज्यादा बोल्ड अवतार में नजर आ रहे हैं। इनकी हॉटनेस देखने के लिए लोग बार–बार इस वीडियो को देख रहे हैं। अगर आपने अब तक इस गाने का वीडियो नहीं देखा है तो नीचे दिए गए लिक पर क्लिक कर के जरूर देखें। बता दें कि कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर फिल्म 'बैड न्यूज' का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। वहीं इस फिल्म के निर्माता करण जौहर हैं। यह फिल्म 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नेहा धूपिया भी इस फिल्म में अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म की कहानी भी साल 2019 में आई करीना कपूर और अक्षय कुमार की फिल्म 'गुड न्यूज' की तरह एक बच्चे के इर्द–गिर्द घूमती है।

टीना से ब्रेकअप के बाद उर्वसी रौतेला को नहीं बल्कि इस एक्ट्रेस को डेट कर रहे हैं यो यो हनी सिंह, कैसे हुई मुलाकात?

यो यो हनी सिंह को फिर से प्यार मिल गया है। ईटाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस का ट्रिप गायक अभिनेत्री हीरा सोहल को डेट कर रहे हैं, उन्होंने सार्वजनिक रूप से बाहर जाना भी शुरू कर दिया है। हीरा इस साल की शुरुआत में मुंबई में हनी के बहुप्रतीक्षित संगीत कार्यक्रम में उपस्थित थीं, जो लंबे अंतराल के बाद गायक की मंच पर वापसी का प्रतीक था। जोड़े के एक करीबी सूत्र ने यह भी खुलासा किया, ष्वे लगभग एक साल से डेटिंग कर रहे हैं। पिछले महीने दोनों एक रोमांटिक सैर पर भी गए थे। हनी सर्किट के बीच अपने रिश्ते के बारे में बहुत खुले हैं। वह गर्व से हीरा को अपने साथी के रूप में पेश करते हैं। हालांकि, वह अभी अपने रिश्ते को जनता के सामने गुप्त रखना चाहते हैं।'' 2023 में जब हनी और टीना अलग हुए, तो उन्होंने सोशल मीडिया पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया और एक–दूसरे के साथ की तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। हिंदुस्तान टाइम्स के हवाले से एक सूत्र ने दावा किया, ''वे जीवन में अलग–अलग चीजें चाहते थे। जबकि वे वर्तमान में ब्रेकअप से परिपक्व तरीके से निपट रहे हैं, दोनों को ठीक होने के लिए समय चाहिए। टीना इस समय दिल टूटा हुआ है और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही है। हनी ब्रेकअप के बारे में बात करने से नहीं कतराते। उन्होंने सभी को इसके बारे में बताया है। हालांकि, जब टीना थडानी से न्यूज पोर्टल ने संपर्क किया, तो उन्होंने अपने ब्रेकअप की अफवाहों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और बस इतना कहा, मैं वास्तव में इसके बारे में बात नहीं करना चाहती। दूसरी ओर, हनी सिंह टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं रहे। टीना थडानी से पहले हनी की शादी शालिनी तलवार से हुई थी, लेकिन बाद में सिंह पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाने के बाद दोनों अलग हो गए। हनी सिंह ने जनवरी 2011 में शालिनी तलवार से शादी की थी। शादी के 11 साल बाद, उन्होंने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत सितंबर 2022 में तलाक के लिए संयुक्त रूप से अर्जी दी। अदालत ने उनकी याचिका को मंजूरी दे दी, तलाक को अंतिम रूप देने से पहले विचार–विमर्श के लिए छह महीने का अंतराल दिया।

सरफिरा के लिए अक्षय कुमार ने सालों पुरानी पॉलिसी तोड़ दी, डायरेक्टर ने भी किया सलाम

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सरफिरा को लेकर चर्चा में हैं। फैंस को भी एक्टर की इस अपकमिंग फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। कुछ दिन पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था, जो लोगों को बेहद पसंद आया। ट्रेलर को देखते ही लोगों में इस फिल्म के लिए एक्साइटमेंट बढ़ गई और अब सभी बेकरारी से इसके रिलीज होने का वेट कर रहे हैं। हालांकि ये फिल्म ऐसी है, जिसके लिए अक्षय ने अपना ही सबसे बड़ा नियम तोड़ दिया है। दरअसल, हाल ही में अपकमिंग फिल्म 'सरफिरा' की निर्देशक सुधा कोंगारा प्रसाद ने इस फिल्म के सेट से बेहद मजेदार किस्सा शेयर किया है। कोंगारा ने न्यूज18 से साथ एक खास बातचीत में बताया कि अक्षय के संग काम में उन्हें बहुत मजा आया, लेकिन इस दौरान उन्हें एक्टर के शेड्यूल में भी खलल डालनी पड़ी। जी हां, कोंगारा ने कहा कि अक्षय सेट पर सिर्फ 8 घंटे ही काम करते हैं और ये उनकी सख्त पॉलिसी है। कोंगारा ने कहा कि इस बारे में अक्षय ने उन्हें पहले ही बता दिया था, लेकिन एक दिन ऐसा आया जब उनके शेड्यूल से ज्यादा टाइम सेट पर चाहिए था और इसके लिए अक्षय को कहने में डर लग रहा था। हालांकि फिल्म के ज्यादातर सीन एक्टर के शेड्यूल में ही पूरे हो गए। कोंगारा ने कहा कि एक दिन फिल्म के बेहद जरूरी क्लाइमेक्स सीन शूट करना था, लेकिन अक्षय का टाइम पूरा होने वाला था और टीम इस बात को लेकर परेशान थी कि अब कैसे अक्षय को मनाया जाएगा। निर्देशक ने कहा कि अक्षय ने पहले दिन से ही सारी चीजें बता दी थी। वो अपने शेड्यूल को लेकर बेहद सख्त हैं और जब वो सेट पर होते हैं, तो उन 8 घंटों में बाहर भी नहीं जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम फिल्म को खत्म करने जा रहे थे और उस दिन 8 घंटे से ज्यादा का टाइम हो रहा था। निर्देशक ने कहा कि मुझसे पहले एडी ने उनसे रिक्वेस्ट करते हुए कहा कि सर आप 10 मिनट या आधा और एक घंटा रुक जाओ। हमें पता है कि ये आपके शेड्यूल से ज्यादा है, लेकिन आ रुक जाइए। उन्होंने बताया कि मैंने उनसे कहा कि मैंने आपको कई बार 5 या 6 घंटे में भी जाने दिया है। इस पर अक्षय ने कहा कि वो इसलिए क्योंकि मैं अपने काम को टाइम से पहले कर लेता था। फिर एडी ने एक्टर ने बेहद प्यार से आधे घंटे की डिमांड की और उन्होंने हमें अपना आधा घंटा दे दिया और फिल्म को पूरा किया। बता दें कि अक्षय की ये फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

बस सुबह खाली पेट खा ले तुलसी की 2 पत्तियां कई बीमारियां होंगी गायब

भारत के अधिकांश घरों में तुलसी के पौधे की पूजा की जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं ,अगर हर दिन सुबह–सुबह खाली पेट आप तुलसी की पत्तियों का सेवन करते हैं तो कई तरह की बीमारियों से दूर रहेंगे। यह बेहद ही गुणकारी होती है।आयुर्वेद में इसके कई फायदे बताए गए हैं। तुलसी का पौधा गुणकारी माना जाता है। तुलसी के सेवन से छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी बीमारियां दूर हो सकती हैं। आयुर्वेद के मुताबिक, तुलसी की पत्तियों में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल, एंटी–फंगल जैसे गुण पाए जाते हैं। तो चलिए जानते हैं तुलसी के विशेष और चमत्कारी गुणों के बारे में।

पेट की समस्याएं होंगी दूर

खाली पेट तुलसी की पत्तियों के सेवन से पेट संबंधी शिकायत नहीं होती हैं। पाचन ठीक रहता है और पेट की सूजन भी कम होती है। इतना ही नहीं एसिडिटी, कब्ज, अपच, खट्टी डकार जैसी समस्याओं से भी ये पत्तियां आपको छुटकारा दिलाती हैं।

दिल की सेहत को रखे दुरुस्त

तुलसी की पत्तियों को दिल की सेहत का खजाना कहा जाए तो कम नहीं है। खाली पेट तुलसी की पत्तियां खाने से दिल की सेहत को बेहतर बनाया जा सकता है। तुलसी की पत्तियों से कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और हार्ट अटैक जैसी बीमारियां दूर ही रहती हैं।

स्किन का रखें ख्याल

तुलसी की पत्तियां हर दिन सुबह–सुबह चबाने से स्किन ग्लो करती है। तुलसी की पत्तियों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण स्किन की गहराई तक जाकर सफाई करती हैं। इससे पिंपल्स, एक्ने भी खत्म हो जाता है।

सिर दर्द से आराम दिलाती है तुलसी

ज्यादा काम करने या अधिक तनाव में होने पर सिरदर्द होना एक आम बात है। अगर आप भी अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में तुलसी की पत्ते के सेवन से यह समस्या दूर हो सकती हैं।

दांत दर्द से आराम

तुलसी की पत्तियां दांत दर्द से आराम दिलाने में भी कारगर हैं। दांत दर्द से आराम पाने के लिए काली मिर्च और तुलसी के पत्तों की गोली बनाकर दांत के नीचे रखने से दांत के दर्द से आराम मिलता है।

कश्मीर घूमने के दौरान इन बातों का रखे खास ख्याल, वरना खराब हो सकता है ट्रिप का मजा

कश्मीर को धरती के स्वर्ग के रूप में जाना जाता है। कश्मीर में बर्फ से ढके पहाड़ और झीलें देखने को मिलती हैं। दरअसल, यह एक बेहद खूबसूरत शहर है और भारत का फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। कश्मीर का नाम आते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले वहां की खूबसूरती आती है। कश्मीर में सोनमर्ग की झीलें, फूलों की वादियां, सेब के बाग और घाटी की सुंदरता आपके मन को मोहने का काम करती हैं। बता दें कि गर्मियों में सबसे ज्यादा पर्यटक कश्मीर घूमने का प्लान बनाते हैं। वहीं मई–जून की छुट्टियों में यदि आप भी कश्मीर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि कश्मीर घूमने के दौरान आपको किन चीजों को करने से बचना चाहिए या किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कश्मीर में इन चीजों का रखे खास ख्याल

बता दें कि कश्मीर में शिकारा राइड सबसे ज्यादा फेमस है। ऐसे में शिकारा राइड के दौरान आपको शॉपिंग करने का बहुत ऑप्शन मिलेगा। लेकिन इस दौरान आपको केसर खरीदने से बचना चाहिए। क्योंकि शिकारा राइड के दौरान यहां पर बिकने वाला केसर नकली होता है। या फिर अगर आप यहां से केसर खरीदते हैं, तो पहले उसको अच्छे से चेक कर लें। या किसी फेमस दुकान से केसर खरीदें। कश्मीर ट्रिप के पहले दिन हाउस बोट में न रुकें। क्योंकि अन्य शहरों की तुलना में कश्मीर अधिक ठंडा रहता है। वहीं झील पर बने बोट हाउस में ज्यादा ठंड लगती हैं। ऐसे में आप ट्रिप के पहले दिन की बजाय आखिरी दिन में बोट हाउस पर रुकें। यदि आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो बिना कैश के घूमना पसंद करते हैं। तो बता दें कि कश्मीर में बिना कैश के आप समस्याओं में पड़ सकते हैं। क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर जगह ऑनलाइन पेमेंट होती हो। इसलिए अपने साथ कैश जरूर रखें। गर्मियों में भी कश्मीर में काफी ठंडक रहती है। इसलिए कश्मीर में बिना हीटिंग वाला रूम लेने की गलती नहीं करनी चाहिए। वहीं रात के समय यहां पर सर्दी अधिक हो जाती है। ऐसे में हीटर रूम बुक करना काफी अच्छा रहेगा। कश्मीर में शिकारा राइड के दौरान आप कुछ चीजों का मजा ले सकते हैं। इनमें से एक फ्लेवर वाला हुक्का भी है। शिकारा राइड के दौरान यदि आप हुक्का लेने की सोच रहे हैं। तो इस चीज का खास ध्यान रखें कि पानी का लेवल क्या है। वैसे तो सलाह दी जाती है कि शिकारा राइड के दौरान हुक्के का इस्तेमाल न करें। या फिर अपने साथ पानी की बोतल लेकर जाएं और उसी पानी से हुक्के को भरें।

इन गलत आदतों की वजह से बढ़ती है पेट की चर्बी, क्या आप भी करते हैं ये गलतियां ?

बढ़ा हुआ वजन आज के समय की बड़ी समस्या बना हुआ है। कई बार तमाम कोशिशों के बाद भी पेट पर चर्बी घटती नहीं है। अधिक पेट की चर्बी स्वास्थ्य को कई तरह का नुकसान पहुंचाती है। इसकी वजह से हाई ब्लड शुगर, हाई कोलेस्ट्रोल और हृदय की बीमारिया हो सकती हैं। इसलिए पेट की चर्बी को कम करना बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजें बताएंगे जिसकी वजह से पेट के आसपास की चर्बी बढ़ जाती है। चलिए जानते हैं उनके बारे में –

समय से डिनर न करना

रात के सही समय जो कि 7 से 9 के बीच का होता है उस में ना करके खाना देर रात को खाते हैं, तो यह भी मोटापे की वजह बनता है। खाने और सोने के बीच में कम से कम तीन घंटे का अंतराल होना आवश्यक है।

फोन का अधिक इस्तेमाल

कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि देर रात तक बिस्तर पर लेटे–लेटे फोन चलाते हैं, तो फोन की नीली रोशनी नींद में बाधा डालती है। नींद पूरी न होने से मेटाबॉलिज्म धीमा होता है और सेहत के लिए नुकसानदेह चीजें खाने की इच्छा होती है। यह भविष्य में मोटापे और पेट की चर्बी को बढ़ाते हैं।

टीवी या फोन देखते–देखते खाना

आज कल टीवी, लैपटॉप या फोन की स्क्रीन पर देखते–देखते नमकीन, चिप्स खाना पसंद करते हैं, तो ऐसे में ज्यादा ध्यान स्क्रीन पर ही रहता है और यह सब भूख न लगी होने पर भी खाते हैं, जो पेट पर चर्बी को जमा करता है।

घर बैठे बाहर का मंगवाना

घर बैठे फोन में मौजूद फूड एप से पिज्जा, बर्गर, बिरयानी ऑर्डर कर लेते हैं। ऐसा करके भी आप ज्यादा खा लेते हैं। घर में पसंद की सब्जी नहीं बनी है, तो फिर अपनी पसंद का खाना घर पर ही ऑर्डर कर लेना, ऐसा करना भी नुकसानदेह है। एक अध्ययन से पता चला है कि एक अकेला व्यक्ति कम कैलोरी ग्रहण करता है बजाय ग्रुप में खाने के।

बड़ी प्लेट में खाना

अक्सर लोग बड़ी प्लेट में खाना खाना पसंद करते हैं, जबकि बड़ी प्लेट में खाना लेने से आप ज्यादा खा जाते हैं, जिससे मोटापा बढ़ता है और मोटापा बढ़ने से पेट की चर्बी भी बढ़ती है। यह बात कॉनवेल यूनिवर्सिटी के अध्ययन से भी साबित हुई है।

जल्दी–जल्दी खाना खाना

काम को समय पर पूरा करने के लिए हम खाना जल्दी–जल्दी खाते हैं, नाश्ता छोड़ देते हैं। अध्यन के मुताबिक जो लोग धीरे–धीरे खाना खाते हैं, वे जल्दी–जल्दी खाने वालों से 66 कैलोरी कम लेते हैं। ऐसे में अगर हम दिनभर के तीन मुख्य भोजन को जल्दी–जल्दी ग्रहण करते हैं, तो लगभग 200 कैलोरी प्रतिदिन क्यादा ग्रहण करते हैं।

दमकती-बेदाग त्वचा पाने के लिए लगाएं ये जेल होममेड फेस पैक, मिलेगा गजब का निखार

हम सभी हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं। लेकिन गर्मियों में पसीने की चिपचिपाहट किसी को पसंद नहीं होती है। ऐसे में गर्मियों में हम सभी ऐसा स्किन प्रोडक्ट चाहते हैं, जो हमारी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ ही एक्स्ट्रा तेल को भी रोक लें। हालांकि गर्मी के मौसम में स्किन केयर के लिए बाजार में आपको बहुत सारे प्रोडक्ट्स मिल जाएंगे। लेकिन इनमें केमिकल की मात्रा भी होती है। ऐसे में आप गर्मियों में त्वचा की चिपचिपाहट को कम करने के लिए नेचुरल तरीके अपना सकते हैं। ऐसे में ऑयली स्किन की समस्या से बचने के लिए हम आपको तीन जेल फेस मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप आसानी से घर पर बनाकर अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं।

एलोवेरा और पपीते का फेस पैक सामग्री

एलोवेरा जेल– 1 बड़ा चम्मच

पपीते का पल्प– 1 छोटा चम्मच

विटामिन–ई कैप्सूल– 1

ऐसे बनाएं फेस पैक

एक कटोरी में एलोवेरा जेल, पपीते का पल्प और विटामिन–ई कैप्सूल निकाल लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस पर 25 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर चेहरे को पानी से धो लें। आप रोजाना दिन में एक बार इस फेस पैक को लगा सकती हैं। इससे आपकी स्किन पर सीबम का प्रोडक्शन कम होता और फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल भी नहीं बनेगा। वहीं अगर आपकी त्वचा ग्लोइंग नहीं है और दाग–धब्बे हैं, तो यह इन समस्याओं को भी दूर करने में कारगर है।

चिया सीड्स और केले का फेस पैक सामग्री

चिया सीड्स– 1 छोटा चम्मच

केले का पल्प– 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं फेस पैक

सबसे पहले चिया सीड्स को रातभर के लिए पानी में भिगो दें। फिर अगली सुबह इन्हें पानी से निकाल लें और इसमें केले का पल्प मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने फेस पर अप्लाई करें और फिर 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरा साफ कर लें। दिन में एक बार इस फेस पैक को लगाने से आपको जल्द ही अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा। बता दें कि यह एक एंटी एजिंग फेस पैक है। जो आपकी स्किन में कसाव लाता है।

गुलाब जल और नींबू का फेस पैक सामग्री

नींबू के छिलके का जेल– 1 बड़ा चम्मच

गुलाब जल– 1 छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं फेस पैक

सबसे पहले नींबू के छिलकों को अच्छे से उबाल लें, ताकि यह जेल के फॉर्म में आ जाएं। इसके बाद इसमें गुलाब जल मिक्स करें और फिर इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। बता दें कि नींबू में विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा पायी जाती है। जो स्किन में आने वाली चिकनाहट को दूर करता है। आप सप्ताह में एक बार इस फेस पैक को लगाएं। आप चाहें तो नींबू के छिलके का जेल बनाकर इसको कांच की शीशी में भी स्टोर कर सकती हैं। इस फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन पर गजब का ग्लो आएगा और साथ ही स्किन की रंगत भी निखर जाएगी।

बार-बार प्रेग्नेंसी से महिलाओं को जल्दी आता है बुढ़ापा, डिलीवरी के बाद होता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन का खतरा

प्रेग्नेंसी से महिलाओं में जल्द बुढ़ापा आ सकता है। दरअसल, हर प्रेग्नेंसी के बाद 2 से 3 महीने की बायोलॉजिकल एजिंग बढ़ती है। ऐसे में यदि कोई महिला बार–बार प्रेग्नेंट होती है, तो वह दूसरी महिला की तुलना में जल्द बूढ़ी दिख सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र में प्रेग्नेंट होने वाली महिलाओं में एजिंग की समस्या जल्द होती है। इन महिलाओं में झुर्रियां और झाई, आंखों के नीचे काले घेरे, स्किन की चमक कम होना, चेहरे पर रेड बंप निकलना, स्किन ढीली पड़ना और काले धब्बे पड़ना जैसे लक्षण नजर आने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इन्फेक्शन, जोड़ों में दर्द, नाखून में दरारें पड़ना, बार–बार सर्दी–खांसी होना, पीरियड्स अनियमित होना, वजन बढ़ना, जीभ पर सफेद परत जमना, क्रैंप, नींद नहीं आना और बाल झड़ना जैसे लक्षण भी हो सकते हैं।

प्रेग्नेंसी का पूरे शरीर पर पड़ता है असर

प्रेग्नेंसी के 9 महीनों में हर महिला का शरीर हर तरह के प्रेशर को झेलता है। इस दौरान महिलाओं में सिर्फ फिजिकल चेंजेज नहीं होता है, बल्कि अंदरूनी अंग भी अपनी सीमा से बाहर जाकर काम करते हैं।

बच्चे के जन्म से पहले महिलाओं के साथ प्रेग्नेंसी के कॉम्प्लिकेशंस शुरू हो जाते हैं। उनका ब्लड वॉल्यूम बढ़ता है और हार्ट को बढ़े हुए एक्स्ट्रा ब्लड को पंप करने के लिए अधिक मशक्कत करनी पड़ती है।

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं के शरीर का इम्यून सिस्टम बदल जाता है। वहीं इस दौरान ब्लड वॉल्यूम, मेटाबॉलिज्म, ब्लड प्रेशर और यहां तक कि हड्डियों में भी बदलाव आता है।

भ्रूण को मिलता है कैल्शियम

बता दें कि प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भ में पलने वाले बच्चे को मां से बड़ी मात्रा में कैल्शियम मिलता है। इस कारण इंटेस्टिनल कैल्शियम एब्जॉर्शन बढ़ जाता है। वहीं प्रेग्नेंसी के आखिरी महीने में मां की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।

वहीं डिलीवरी के बाद बच्चे को मां ब्रेस्ट फीडिंग करवाती है। इससे भी बच्चे को बड़ी मात्रा में कैल्शियम मिलता है। दरअसल, ब्रेस्ट फीडिंग की वजह से महिलाओं में बोन डेंसिटी करीब 7 फीसदी तक घटती है। वहीं अगर महिला अलग से भी कैल्शियम का सेवन करती हैं, फिर भी बोन लॉस नहीं रुक पाता है।

इसके साथ ही तनाव बढ़ने से भी महिलाएं अपनी उम्र से 8–10 साल बड़ी लगने लगती हैं। कई महिलाएं कम उम्र की होने के बाद भी उम्र में काफी बड़ी दिखती हैं। जिसकी सबसे बड़ी वजह प्रेग्नेंसी है। बता दें कि हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को एंग्जाइटी की समस्या भी होती है।

कई महिलाएं डिलीवरी के बाद पोस्टपार्टम डिप्रेशन से गुजरती हैं। गर्भावस्था के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्ट्रोन हॉर्मोन्स की मात्रा अधिक होती है। लेकिन बच्चे के जन्म के बाद अचानक से हार्मोन की मात्रा कम हो जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 22 फीसदी से अधिक महिलाएं डिलीवरी के बाद पोस्टपार्टम डिप्रेशन का शिकार होती हैं।

डिलीवरी के बाद पोस्टपार्टम डिप्रेशन कई महीनों तक चलता है। वहीं सही समय पर सही इलाज न मिल पाने पर महिलाएं साइकोटिक डिप्रेशन में भी जा सकती हैं। यह एक खतरनाक स्टेज मानी जाती है, जिसमें महिला खुद को या फिर अपने बच्चे को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो कई महिलाएं अपनी उम्र से 4–5 साल तो कुछ 10 साल तक बड़ी दिखती हैं, जिसका मुख्य कारण अधिक तनाव लेना है। जो महिलाएं एंग्जाइटी और डिप्रेशन की समस्या से गुजरती हैं, उनको पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

बकुलाही नदी की प्राचीन पुनरोद्धारित धारा का संयोजक समाज शेखर ने किया भ्रमण

सरकार द्वारा प्रस्तावित डायवर्जन डैम न बनने से लाखों लोगों के जीवन में बना है घोर जलसंकट

प्रथम दृष्टया हैन्सी पुल के सामने मिला अवैध खनन का मामला

प्रतापगढ़। बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बकुलाही नदी की प्राचीन जल धारा का स्थलीय भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्राचीन धारा पूरी तरह सूखी पडी मिली, आसपास की धरती विरान सी नजर आ रही है। ग्रामीणों ने कहा कि भयहरणनाथ धाम के सामने 2013 से सरकार द्वारा प्रस्तावित डायवर्जन डैम न बनने से लाखों लोगों के जीवन में घोर जलसंकट बना हुआ। सभी ने सरकार व जिला प्रशासन से डायवर्जन डैम जल्द बनाने की मांग करते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पूरे मनोयोग से इस जीवनदाई कार्य में अपनी भूमिका निभाने की अपेक्षा की है।

भयहरणनाथ धाम के महासचिव समाज शेखर ने हैंसी, शिवरा, बाबूपुर व सरायदेवराय ग्राम में बकुलाही नदी के किनारे किनारे नदी क्षेत्र का भ्रमण कर स्थलीय जायजा लिया। हैन्सी में कटरा गुलाब सिंह से प्रतापगढ मुख्य मार्ग पर स्थित बकुलाही नदी पर बनी पुलिया के ठीक सामने पूर्व की ओर नदी को में काफी गहरी खुदाई दिखाई पडी, ग्रामीणों से पता करने पर स्पष्ट हुआ कि 3 दिन पहले से बडी जे0सी0बी0 द्वारा निजी खुदाई हुई है। इस अवैध खनन से जनसामान्य में काफी खतरा उत्पन्न हो गया है। उक्त स्थल की बीडियो और फोटो के साथ कार्य की जांच कराके आवश्यक कार्यवाही हेतु जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को वाटसअप पर सूचना दी गई है।

संयोजक समाज शेखर ने जमुहा ग्राम प्रधान को सुझाव दिया कि बाबूपुर पुल के उत्तर में 200 मीटर गाडी घाट तक नदी में सफाई आवश्यक है। जिस पर प्रधान ज्ञान प्रकाश सिंह ने जल्द प्रभावी कदम उठाने का संकल्प व्यक्त किया। नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव से अनुरोध किया कि वार्ड पूरे तोरई में गौरा के सामने गेल की गैस पाइप लाईन के नीचे साइफन की पाइप में सफाई की नितान्त आवश्यकता है साथ ही आसपास अपेक्षित सफाई से ही प्राचीन जल धारा प्रवाहमान हो सकेगी। जिससे लाखों लोगों व जीव जन्तुओं को इस बरसात पानी मिल सकेगा।

भयहरणनाथ धाम पहुचे अपर पुलिस अधीक्षक संजय राय

भोले नाथ का लिया आर्शिवाद व रूद्र शत चन्डी यज्ञ में हुए शामिल

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय का आगमन हुआ। सर्व प्रथम उन्होने भगवान भयहरणनाथ महादेव का जलाभिषेक किया। तदोपरान्त जौनपुर से पधारे स्वामी करूणानन्द जी महराज करिया बाबा के संयोजन में 8 जुलाई से चल रहे रूद्र शत चन्डी यज्ञ में शामिल हुए। एएसपी का स्वागत धाम के महासचिव समाज शेखर व मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी व संरक्षक देबी प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर विधायक जीत लाल पटेल तथा धाम के कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह सहित संरक्षक गण अशोक मिश्र, लालता प्रसाद मिश्र, ओम प्रकाश सिंह, घनश्याम गिरि, राजेश मिश्र, मेला व मन्दिर व्यवस्था समिति से शत्रुघन सिंह , गंगा पाण्डेय, लाल पाण्डेय व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार आदि व्यस्थापक मौजूद थे।

आकाशीय बिजली गिरनेबैटरी बैंक व आई एम पी एस क्षतिग्रस्त

प्रतापगढ़। बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से मोबाइल टावर का बैटरी बैंक क्षतिग्रस्त हो गया जिसके कारण नेटवर्क बाधित रहा। इसी तरह चिलबिला में नवाबगंज एटीसी टावर पर आकाशीय बिजली गिरने के कारण उसका आईपीएमए। क्षतिग्रस्त हो गया समालूम हो कि एटीसी कंपनी का शहरों में मोबाइल टावर लगवाने व चलवाने का कारोबार हैस प्रतापगठ शहर में भी इस कम्पनी ने कई टावर लगा रखे हैं जहां कल बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो टावर क्षतिग्रस्त हो गए हैस इससे वोडाफोन एयरटेल व जियो के नेटवर्क चलते है। फिलहाल सिग्नल सहित सभी सेवाएं पूर्ववत चालू हो गई है ससेवा चालू हो गई है।

यूपी में डिजिटल अटेंडेंस पर सख्ती शुरु

3 दिन ऑनलाइन अटेंडेंस न दर्ज कराने वाले शिक्षकों का रुकेगा वेतन

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में 11 जुलाई से शुरू हुई ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर एक तरफ शिक्षकों ने जहां मोर्चा खोल दिया है तो वहीं दूसरी ओर बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्नाव बीएसए ने निर्देश दिए हैं कि 3 दिन तक डिजिटल अटेंडेंस दर्ज न कराने पर विभागीय आदेश की अवेहलना माना जाएगा। ऐसे में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अगले आदेश तक डिजिटल अटेंडेंस ना दर्ज कराने वाले शिक्षकों का मानदेय और वेतन रोका जाएगा। वहीं, बाराबंकी में डिजिटल अटेंडेंस ना लगाने पर 9 हजार शिक्षकों का 3 दिन का वेतन रोक लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से 11 जुलाई से अनिवार्य रूप से शिक्षकों को ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराने का आदेश दिया है। जिसके विरोध में शिक्षकों ने मोर्चा खोल दिया है। 11 जुलाई को यूपी के 132869 बेसिक स्कूलों में पढ़ाने वाले 609,282 शिक्षकों में 16015 शिक्षकों ने ही ऑनलाइन हाजिरी दर्ज कराई थी। बड़ी संख्या में शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी नहीं दर्ज कराई थी। सोशल मीडिया पर भी शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

आपको बता दें कि प्रदेश भर में डिजिटल अटेंडेंस को लेकर तीसरे दिन भी शिक्षकों का विरोध जारी रहा और उन्होंने उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। इसके साथ ही शिक्षकों ने संयुक्त संघर्ष मोर्चा का गठन कर 15 जुलाई को हर जिले में प्रदर्शन कर ज्ञापन देने का निर्णय लिया। इधर, बरेली में दो दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को स्कूल खुले। अभी भी कई स्कूलों में पानी भरा हुआ है और शिक्षक काफी दिक्कत से स्कूल पहुंच रहे हैं। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के नेतृत्व में सभी संगठनों के पदाधिकारी व शिक्षकों ने सभी ब्लॉकों में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के चेयरमैन का इस्तीफा

प्रवीर कुमार ने स्वास्थ्य कारणों का दिया है हवाला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष प्रवीर कुमार ने त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से मुक्त करने का अनुरोध किया है। करीब दो हफ्ते से पत्नी का इलाज कराने दिल्ली गए हुए हैं। आयोग के वरिष्ठ सदस्य ओएन सिंह कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रहे हैं। त्यागपत्र स्वीकार होने के बाद नए अध्यक्ष के चयन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रवीर कुमार का कार्यकाल इस वर्ष दिसंबर तक था।प्रदेश सरकार ने समूह श्गश व श्घश के पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग का गठित किया है। प्रवीर कुमार 1982 बैच के अवकाश प्राप्त आईएएस अधिकारी हैं। योगी सरकार ने दिसंबर 2019 में उन्हें अधीनस्थ सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष बना दिया था। उनका कार्यकाल इसी साल दिसंबर में समाप्त होना था। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है। प्रवीर कुमार ने भर्तियों में पारदर्शिता लाने के लिए दोहरी परीक्षा प्रणाली लागू की थी। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पीईटी में शामिल होने वालों को मुख्य परीक्षा के लिए पात्र माना जाता है।प्रवीर कुमार ने खुद अपने त्यागपत्र की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कारणों से त्यागपत्र दिया है। उन्होंने बताया कि पत्नी के घुटना प्रत्यारोपण के लिए वे पिछले 15 दिनों से दिल्ली में हैं। अभी 15–20 दिन पत्नी के इलाज में और लगेंगे। उन्हें अपनी आंख व कान का इलाज भी कराना है। उन्होंने पद छोड़ना उचित समझा क्योंकि आयोग का काम प्रभावित हो रहा था। सरकार समय रहते नए अध्यक्ष का चयन कर लेगी।

सीएम आवास के बाहर अभ्यर्थियों को रोका गया, जेईई- 2018 फाइनल रिजल्ट जारी करने की मांग

लखनऊ, एजेंसी। 23 घंटे में जेईई– 2018 भर्ती के अभ्यर्थी लखनऊ में सीएम आवास के पास प्रदर्शन करने पहुंचे। पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को सीएम आवास के बाहर ही रोक लिया। 5 अभ्यर्थियों को सीएम आवास में अधिकारियों में मुलाकात के लिए ले जाया गया। वहीं अन्य सभी अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर ईको गार्डन थाने ले जाया गया। ये अभ्यर्थी जेईई–2018 परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को अभ्यर्थियों ने पिकप भवन पर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने कहा कि हम लंबे समय से अपनी आवाज उठा रहे हैं, सीएम से लेकर आयोग के अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाई लेकिन कोई हल नहीं निकला। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने अभ्यर्थियों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वो नहीं मानें। जिसके बाद सभी को पुलिस की टीम थाने ले गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 2018 में जूनियर इंजीनियर भर्ती निकाली थी। 6 साल बाद भी भर्ती पूरी नहीं हो सकी है। हम अंतिम रिजल्ट जारी कराने के लिए लगातार 208 दिनों से ईको गार्डन में धरना दे रहे हैं। जेई अभ्यर्थियों ने बताया, दस्तावेजों का सत्यापन हुए 9 माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आयोग ने अभी तक अंतिम रिजल्ट जारी नहीं किया है। अभ्यर्थियों ने कहा भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर एक महीने पहले उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने जून में रिजल्ट घोषित करने का भरोसा दिया था। लेकिन परिणाम नहीं आया। अभ्यर्थियों ने बताया कि हम लगातार आयोग के भी चक्कर लगा रहे हैं। अधिकारियों से बात कर रहे हैं। लेकिन हमारे करियर से खिलवाड़ किया जा रहा है।

इटौंजा में गोमती का पानी गांवों में पहुंचा

लखनऊ, एजेंसी। इटौंजा क्षेत्र में लासा गांव, अकडरिया कला और सुल्तानपुर गांव में गोमती नदी का पानी पहुंच गया है। पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया है। वहीं, कोटेदार के यहां पहुंचने वाला राशन भी ट्रक चालक ने बीच सड़क ही उतार दिया और चला गया। इसके बाद ट्रैक्टर से राशन की ढुलाई की गई। लोग भी आने जाने के लिए ट्रैक्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार बीते बाकी सीजन की अपेक्षा इस बार बरसात कम हुई है। बीते 24 घंटे में 6.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है । 1 जून से अभी तक लखनऊ में 130.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि औसत बारिश 149.9 मिमी है। जो सामान्य से काफी कम है। हालांकि आने वाले दिनों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अनुमान लगाया है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार से लखनऊ में भारी बरसात की संभावना है। जिसकी वजह से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं।

संक्षिप्त

निकली धूप, उमस कर रही परेशान, कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सुबह से ही धूप निकली है। उमस और गर्मी ने लोगों को परेशान किया। दिन में राजधानी के कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई गई। तेज हवाओं से राहत जरूर मिली। इससे पहले बुधवार को भी बारिश और उमस थी। बुधवार को 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम वैज्ञानिक ने दावा है कि गुरुवार की सुबह शहर के कुछ इलाकों में बारिश होगी। अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। न्यूनतम तापमान 27 से 29 सेल्सियस डिग्री तक रहने के अनुमान है। शहर के विभूतिखंड इलाके में सुबह 10.30 के आसपास बारिश होने का अलर्ट है। इसके बाद दिन में मौसम साफ रहेगा। शाम करीब 4.30 बजे से एक घंटे तक बारिश होने की संभावना जताई गई है।

घर के बाहर खेल रहे बच्चे को कुत्ते ने काटा,पिता ने थाने में तहरीर दी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के पीजीआई इलाके की एक कालोनी में पालतू कुत्ते ने एक सात साल के बच्चे को काट लिया। बच्चे के पिता जब शिकायत लेकर जिसका कुत्ता था उसके पास पहुंचे तो उसने डांटकर भगा दिया। परिवार वाले बच्चे को अस्पताल ले गए जहां उसका इलाज कराया गया। पीड़ित के पिता ने थाने में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि कुत्ते ने पहले भी गांव के कई लोगों पर हमला कर घायल कर चुका हैं। कल्ली पश्चिम के जगत खेड़ा में स्थित आनंद बिहार कालोनी में रहने वाले संजय तिवारी ने पुलिस को लिखित शिकायत कर बताया कि मोहल्ले में ही रहने वाले शिवपूजन सिंह ने एक पालतू कुत्ता रखा है। वह अक्सर खुला रहता है। उन्होंने बताया कि उनका 7 साल का बेटा दिव्य घर के बाहर खेल रहा था। कुत्ता अचानक आया और हमला कर दिया। बेटा गिर गया तो पीठ और पैर समेत कई जगहों पर काटा। बच्चे के पिता संजय ने बताया कि जब वो शिवपूजन (जिसका कुत्ता है) उनके पास शिकायत करने गए उसने लड़ाई किया और घर से डांटकर भगा दिया। यहां रहने वाले स्थानीय निवासी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि कई बार कुत्तों के आतंक से बचने के लिए नगर निगम की टीम को शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन टीम यहां पर आती नहीं है। उन्होंने कहा कि रात को 9:00 के बाद तो अगर कोई बाइक सवार यहां से गुजरे तो कुत्ते दौड़ा लेते हैं और कई बार इसी चक्कर में लोग अपनी बाइक से गिर भी जाते हैं।

विधायक बेदीराम और विपुल दुबे के खिलाफ एनबीडब्ल्यू

लखनऊ, एजेंसी। फरवरी 2006 में रेलवे की ग्रुप डी परीक्षा के पेपर लीक मामले में सुभासपा विधायक बेदी राम और निषाद पार्टी विधायक विपुल दुबे के खिलाफ लखनऊ की स्पेशल गैंगस्टर कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। एसटीएफ ने बेदीराम, विपुल दुबे समेत 16 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। कोर्ट ने 26 जुलाई को आरोपियों की हाजिरी तय कराने का आदेश इंस्पेक्टर कृष्णानगर को दिया है। कोर्ट ने आरोपी विधायक बेदीराम, दीनदयाल, शिव बहादुर सिंह, संजय श्रीवास्तव और अवधेश सिंह के दाखिल हाजिरी माफी के प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। पहले से गैरहाजिर सभी अभियुक्तों के विरुद्ध भी गैर जमानती वारंट जारी किया। बेदीराम गाजीपुर के जखनिया और विपुल दुबे भदोही की ज्ञानपुर सीट से विधायक है। फरवरी 2006 में रेलवे की ग्रुप श्डीश परीक्षा के पेपर लीक से पूरा मामला जुड़ा है। परीक्षा से एक दिन पहले ही बेदीराम के यहां से पेपर बरामद हुआ था।इस मामले में एसटीएफ ने बेदीराम, विपुल दुबे समेत 16 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 25 फरवरी 2006 को आलमबाग इलाके से एसटीएफ ने इनकी गिरफ्तारी की थी। एसटीएफ ने कृष्णा नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट का भी मुकदमा दर्ज कराया था।बेदी राम समेत 19 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट में राज्य निर्माण सहकारी संघ के स्वामित्व के प्रकरण में हुई जीत : राठौर

लखनऊ, एजेंसी। राज्य सरकार की अंशधारिता वाली शीर्ष सहकारी समिति यूपी राज्य निर्माण सहकारी संघ यूपीआरएनएसएस जो राज्य सरकार की राजकीय निर्माण एजेंसी है, पर पूर्ववर्ती उत्तर प्रदेश विधायन एवं शीतगृह सहकारी संघ के भूतपूर्व सभापति नरेश शंकर श्रीवास्तव द्वारा अवैध ढंग से बहुराज्यीय सहकारी समिति के रूप में पिछले 20 वर्षों से अधिक कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था, के प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने अहम फैसला देते हुए राज्य सरकार के पक्ष में निर्णय दिया है। सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर ने बताया कि प्रकरण में राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में सालीसीटर जनरल तुषार मेहता तथा अतिरिक्त सालीसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी को प्रस्तुत कर राज्य सरकार का मजबूती से पक्ष रखा, जिसके कारण राज्य सरकार के पक्ष में फैसला आया है। इस प्रकरण में विरोधी पक्ष ने राज्य की अंशधारिता वाली शीर्ष संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ की पूंजी एवं दायित्वों पर अपना दावा प्रस्तुत किया जा रहा था।

ऑनलाइन अटेंडेंस के खिलाफ शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से संचालित प्राइमरी और जूनियर विद्यालयों में शिक्षकों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यूपी सरकार ने आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था की है। ऑनलाइन अटेंडेंस को लेकर प्रदेश सरकार ने स्कूलों में 2 लाख 9 हजार 863 टेबलेट्स का वितरण कराया है। दरअसल, इन्हीं टैबलेट्स पर अपलोड सभी आनलाइन पंजिकाओं पर शिक्षकों को काम करना है। साथ ही उपस्थिति पंजिका पर आनलाइन हाजिरी भी लगानी है। लेकिन प्रदेश भर में शिक्षक इसका लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जाती है तब तक वह आनलाइन उपस्थिति नहीं दर्ज करायेंगे। बता दें कि पिछले चार दिनों से शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। शिक्षकों की उपस्थिति आनलाइन होनी चाहिए या नहीं इस पर जब अमृत विचार ने आम लोगों से प्रतिक्रिया ली.. तो लोगों ने सरकार के इस कदम को सराहनीय बताया है।

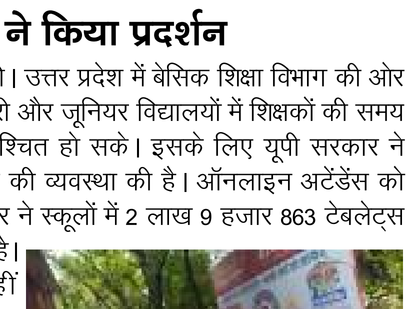

रियल एस्टेट कारोबारी के लिए लखनऊ को तबाह कर रही सरकार

● खुर्रम नगर में मनमानी पैमाइश के खिलाफ कमिश्नर से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

● लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति ने खोला मोर्चा,किया सम्मेलन

लखनऊ, एजेंसी। रियल स्टेट कारोबारी के मुनाफे के लिए पूरे लखनऊ को तबाह करने में योगी सरकार लगी हुई है। साबरमती रिवर फ्रंट बनाने वाली गुजराती कंपनी को कुकरैल नाला का रिवर फ्रंट बनाने का ठेका देने में सरकार लगी है। सरकार के खजाने में जमा टैक्स पेयर के 6000 करोड रुपए से ज्यादा को प्रोजेक्ट में लगाया जायेगा। यह प्रोजेक्ट लखनऊ के पर्यावरण को तो नष्ट करेगा ही आम नागरिकों के जीवन को भी गहरे संकट में डाल देगा। बड़े पैमाने पर बेदखली होगी, अकबरनगर को तहस–नहस करने के बाद पंतनगर, खुर्रम नगर, अबरार नगर, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, स्कॉर्पियो क्लब आदि जगहों पर पैमाइश का काम शुरू कर दिया गया है। यह पैमाइश पूर्णतया मनमानेपन और अवैधानिक तरीके से की जा रही है। न कुकरैल नाले के केंद्र का कोई पता है और न फ्लड एरिया कितना होगा, इसकी कोई जानकारी है। योगी सरकार की तबाही के खिलाफ शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक आंदोलन पूरे लखनऊ में खड़ा किया जाएगा। यह प्रस्ताव लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति के खुर्रम नगर इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में आयोजित प्रथम सम्मेलन में लिया गया। नजूल अधिग्रहण अध्यादेश के जरिए पूरे लखनऊ में नजूल की भूमि पर पुश्तैनी बसे हुए लोगों के ऊपर बेदखली का खतरा मंडरा रहा है।700 से भी ज्यादा मलिन बस्तियों को खत्म करने की सरकार की योजना है। सरकार ने वादा किया था जहां बस्ती वहीं पक्का मकान आज उस वादे से मुकर कर रियल स्टेट खिलाड़ियों के लिए जमीन पूल करने का काम सरकार करने में लगी है। सम्मेलन में एकमत से सरकार से जारी बेदखली की कार्रवाई रोकने की मांग की गई। जन प्रतिनिधियों, राजनीतिक संगठनों और नागरिकों के साथ सरकार के प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक बुलाने की मांग उठी। सम्मेलन में शीघ्र कमिश्नर लखनऊ रोशन जैकब से प्रतिनिधिमंडल के मिलने का निर्णय हुआ और 14 जुलाई को अबरार नगर में दूसरा सम्मेलन करने का फैसला लिया गया। इस अभियान को लखनऊ के कोने–कोने तक फैलाने का संकल्प व्यक्त किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता सपा की मेयर प्रत्याशी वंदना मिश्रा ने की। सम्मेलन को सपा विधायक रविदास महरोत्रा, कांग्रेस प्रदेश महासचिव मुकेश चौहान, आईपीएफ महासचिव दिनकर कपूर, सीपीएम से प्रवीन सिंह, सीपीआई से कांति मिश्रा, सीपीआई माले से मगन, एटक प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर, राहुल फाउंडेशन से राम बाबू, कांग्रेस शहर अध्यक्ष शहजाद अहमद, अकबरनगर से इमरान रजा, ट्रांस गोमती निवासी संघर्ष समिति से सलीम, सपा से शर्मिला महाराज, आईपीएफ के कमलेश सिंह , श्याम वर्मा, किसान नेता इमरान, आइसा के आयुषसनातम ने सम्बोधित किया।लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रोफेसर रूप रेखा वर्मा उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त

उत्तरी फिलिपीन में बस और पिकअप ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत

उत्तरी फिलीपीन के एक शहर में बृहस्पतिवार की सुबह एक बस और पिकअप ट्रक की टक्कर होने से 11 यात्रियों की मौत हो गई और अन्य छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रमुख मेजर एंटोनियो पलाटाओ ने बताया कि बस की टक्कर से अनियंत्रित होकर छोटा ट्रक अबुलुग कस्बे में सड़क के किनारे खाद्य सामग्री की एक दुकान से जा टकराया। मरने वाले सभी यात्री छोटे ट्रक में सवार थे। पलाटाओ ने बताया कि ट्रक सवार अधिकतर यात्री घर लौट रहे थे। हादसे में दोनों वाहनों के चालक समेत ट्रक की चपेट में आया दुकान का मालिक भी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जांच कर घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है। यातायात कानूनों के कमजोर क्रियान्वयन, खस्ताहाल वाहनों और खतरनाक सड़कों, पहाड़ी सड़कों और दूर–दराज के प्रांतों में अपर्याप्त सुरक्षा संकेत आदि के चलते फिलीपीन में घातक सड़क दुर्घटनाएं आम बात हैं।

कैलिफोर्निया में घर में घुसकर तीन लोगों की हत्या, संदिग्ध हिरासत में

अलामेडा। कैलिफोर्निया में बुधवार की रात एक घर में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया है। अलामेडा पुलिस विभाग (एपीडी) ने यह जानकारी दी। एपीडी ने 'फेसबुक' पर जारी एक बयान में कहा कि उसे एक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि उसके पड़ोसी को अलामेडा शहर के किट्टी हॉक रोड के 400 ब्लॉक में गोली मार दी गई है। मौके पर पहुंचे अलामेडा पुलिस के अधिकारियों ने पीड़ित का पता लगाया। घर में नाबालिगों समेत परिवार के अन्य सदस्य भी गोली लगने से घायल मिले। एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया है। फिलहाल पुलिस ने गोलीबारी का कारण नहीं बताया है। पुलिस ने कहा, "हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि तीन पीढ़ियों की मौत हो गई और परिवार के अन्य सदस्यों का स्थानीय अस्पताल में उपचार हो रहा है।" पुलिस ने कहा कि आम लोगों को खतरे से संबंधित कोई सूचना नहीं है। जांच जारी है।

नाटो देश अपना औद्योगिक आधार मजबूत करें : जो बाइडन

बाइडन ने वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन के एक सत्र के दौरान कहा कि नाटो देशों ने दो साल पहले अपनी प्रतिरोधक क्षमता और रक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, आज हमें खुद से यह सवाल करना होगा कि आगे क्या? हम अपनी ढाल को कैसे मजबूत बना सकते हैं? इसका एक जवाब यह है कि हमें अपने औद्योगिक आधार को मजबूत करना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इस समय रूस तेजी से अपने रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी कर रहा है। वह हथियारों, वाहनों और युद्ध सामग्री का उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है। रूस चीन, उत्तर कोरिया और ईरान की मदद से अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत कर रहा है। जहां तक मेरा विचार है, हमारे संगठन को ऐसी स्थिति में पीछे नहीं रहना चाहिए। बाइडन ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि आज नाटो के सभी सदस्य हमारे औद्योगिक आधार और औद्योगिक क्षमता का विस्तार करने का संकल्प ले रहे हैं। यह सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक जरूरी कदम है। ऐसा पहली बार हुआ है कि नाटो का हर सदस्य देश अपने यहां रक्षा उत्पादन को और बढ़ाने का संकल्प ले रहा है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि एक संगठन के तौर पर हम अधिक नवीन और प्रतिस्पर्धी बनेंगे। हम अधिक महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों का तेजी से निर्माण कर सकते हैं।

UNHCR के प्रमुख ने अफगान शरणार्थियों के मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से बात की

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में अनिश्चितता के बीच रह रहे अफगान शरणार्थियों के मुद्दे पर मंगलवार को बातचीत की। पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा बलों पर आतंकवादी हमले बढ़ने के बाद पिछले साल प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की थी। पाकिस्तान में बिना दस्तावेजों के रह रहे अफगानिस्तानियों के खिलाफ कार्रवाई पर हाल ही में रोक लगा दी गई थी। हालांकि अधिकारियों ने इसके लिए कोई

स्पष्टीकरण नहीं दिया है। पाकिस्तान में करीब 17 लाख अफगान रहते हैं, जिन्होंने 1979 से 1989 के बीच सोवियत संघ के कब्जे के बाद देश छोड़ दिया था। 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद 50 लाख से अधिक लोग अफगानिस्तान छोड़कर भाग गए थे, जिनमें से हजारों लोग पाकिस्तान में रहकर अमेरिका या किसी अन्य जगह बसने का इंतजार कर रहे हैं। नवंबर में शुरू हुई कार्रवाई को लेकर आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान से लगभग छह लाख शरणार्थी वापस अपने देश जा चुके हैं। पाकिस्तान में बिना दस्तावेज के भी शरणार्थी रह रहे हैं। ये उन शरणार्थियों से अलग हैं, जिन्होंने प्राधिकारियों और यूएनएचआरसी के समक्ष अपना पंजीकरण करा रखा है। बिना दस्तावेजों के रह रहे शरणार्थियों पर कार्रवाई को लेकर पंजीकृत शरणार्थी भी चिंतित हैं। संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी मामलों के उच्चायुक्त फिलिप ग्रैंडी रविवार को पाकिस्तान आए और यात्रा के पहले दो दिन अफगान शरणार्थियों से मुलाकात की। ग्रैंडी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मैंने अफगान शरणार्थियों के साथ समय बिताया जिनकी कुशलता उनकी ताकत और पाकिस्तान के लंबे आतिथ्य का प्रमाण है।" मंगलवार को प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख से कहा कि कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अफगान शरणार्थियों के साथ "अनुकरणीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है।" शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी आग्रह किया कि "इतनी बड़ी शरणार्थी आबादी को शरण देते समय पाकिस्तान जो बोझ उठा रहा है उसे पहचानें और सामूहिक जिम्मेदारी दिखाएं।

चॉकलेट-चिप्स से भी आसान हुआ बुलेट खरीदना, इस मशीन में पैसा डालो और उधर से गोलियां निकलेंगी, तालिबान नहीं ये है अमेरिका

अमेरिका का संविधान अपने हर नागरिक को बंदूक रखने का अधिकार देता है। जितनी आसानी से फल और सब्जियां मिलती हैं आप दुकान पर चाहिए और अपनी मनपसंद गन खरीद सकते हैं। इसका नतीजा यह है कि पिछले 50 सालों में अमेरिका में 14 लाख से ज्यादा लोग बंदूक के जरिए होने वाली हिंसा में मारे गए। "The Smallest Coffins Are the Heaviest" यानी सबसेछोटे ताबूत सबसे भारी होते हैं। मतलब की बच्चों की लाश उठाना इस दुनिया का सबसे भारी काम है। अमेरिका ये काम लगभग गन कल्चर के नाम पर हर हफ्ते करता है। वैसे तो अमेरिका दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है। अमेरिका दुनिया के कई मुल्कों में अराजकता के नाम पर सैन्य कार्रवाई कर चुका है। लेकिन अमेरिकी समाज खुज कितना अराजक है ये मास शूटिंग के आंकड़ों से सामने आता है। आपको जानकर ये आश्चर्य होगा की अमेरिका में गन खरीदना खिलौने खरीदने से भी आसान होता है। आपने मॉल, एयरपोर्ट आदि में वेंडिंग मशीन देखा होगा जिसमें आपको पैसा डालने पर चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक्स आदि सामान झट से उपलब्ध हो जाता है। अमेरिका अब इसी तर्ज पर गोला–बारूद को सुलभता से उपलब्ध कराने के लिए वेंडिंग मशीनें लगाना शुरू कर दिया है। तीन अमेरिकी राज्यों ने किराने की दुकानों पर गोलियों के लिए वेंडिंग मशीनें शुरू कीं। फर्म अमेरिकन राउंड्स द्वारा निर्मित ये मशीनें एटीएम की तरह उपयोग में आसान हैं और स्टोर के समय की बाधाओं से मुक्त हैं।

वेंडिंग मशीनें कैसे काम करेंगी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये बुलेट वेंडिंग मशीनें खरीदार की आईडी को उनके चेहरे से

मिलाने के लिए एआई टेक्नोलॉजी कार्ड स्कैनिंग क्षमताओं और फेस रिकॉग्नाइजेशन सॉफ्टवेयर का उपयोग करती हैं। लेकिन इसके लिए खरीदार की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी जरूरी है। गोला–बारूद खरीदने के लिए, ग्राहकों को मशीन की टचस्क्रीन पर उस प्रकार का चयन करना होगा जिसे वे खरीदना चाहते हैं। फिर उन्हें अपनी आईडी स्कैन करने की आवश्यकता होती है, जिसके बाद वे वेंडिंग मशीन के नीचे एक छेद से गोलियां एकत्र करते हैं।

विस्तार की योजना

अमेरिकन राउंड्स ने कहा है कि वे लुइसियाना और कोलोराडो जैसे जिलों में ऐसे और कियोस्क खोलना जारी रखेंगे जहां हंटिंग फेमस है। अपने प्रचार एड में कंपनी ग्राहक को ऑटोमैटिक व्हीलचेयर पर वेंडिंग मशीनों का उपयोग करते हुए एक दुकान से गुजरते हुए दिखाया है। इससे पहले कि वो हवा में अपनी मुट्ठी उठाते और चिल्लाते हुए दिखाया गया है।

अमेरिका में बंदूक से मौत के आँकड़े

नेशनल सेंटर फॉर हेल्थ स्टैटिस्टिक्स के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अलबामा में बंदूक से होने वाली मौतों की दर अमेरिका में चौथी सबसे अधिक है। 2022 में राज्य में प्रति 100,000 लोगों पर आग्नेयास्त्रों के कारण 25.5 मौतें हुईं, जिसमें कुल 1,278 मौतें हुईं।

अमेरिका का गन कल्चर

अमेरिका का संविधान अपने हर नागरिक को बंदूक रखने का अधिकार देता है। जितनी आसानी से फल और सब्जियां मिलती हैं आप दुकान पर चाहिए और अपनी मनपसंद गन खरीद सकते हैं। इसका नतीजा यह है कि पिछले 50 सालों में अमेरिका में 14 लाख से ज्यादा लोग बंदूक के जरिए होने वाली हिंसा में मारे गए।

ट्रम्प या बाइडेन ? भारतीय अमेरिकियों का किसे मिलेगा वोट, सर्वे में चौंकाने वाला दावा

जैसे–जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद की रेस तेज हो रही है, एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया है कि 2020 में पिछले चुनाव और नवंबर में आगामी चुनावों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का समर्थन करने वाले भारतीय अमेरिकियों में भारी गिरावट आई है। एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण (एएवीएस) ने पाया कि बाइडन के लिए भारतीय–अमेरिकी समर्थन में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो सभी एशियाई–अमेरिकी जातीय समुदायों में सबसे बड़ी है। सर्वेक्षण एशियन एंड पैसिफिक आइलैंडर अमेरिकन वोट (एपीआईएवोट), एएपीआई डेटा, एशियन अमेरिकन्स एडवांसिंग जस्टिस (एएजेसी) और एएआरपी द्वारा आयोजित किया गया था। इससे पता चलता है कि 46 प्रतिशत भारतीय अमेरिकी 2020 में 65 प्रतिशत की तुलना में 2024 में ट्रम्प के खिलाफ बिडेन को वोट देने का इरादा रखते हैं। हालांकि,

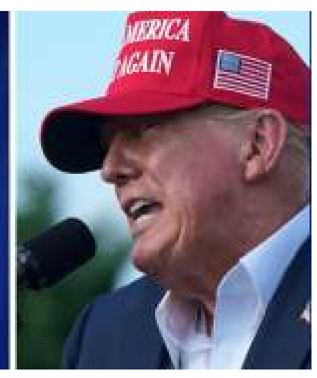

यह सर्वेक्षण 27 जून को राष्ट्रपति बहस से पहले आयोजित किया गया था।

ट्रम्प के बारे में क्या?

पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार, डोनाल्ड ट्रम्प को भारतीय अमेरिकियों के बीच समर्थन में मामूली बढ़त मिली। सर्वेक्षण में पाया गया कि इस साल 31 प्रतिशत उन्हें वोट देने की संभावना है। भारतीय अमेरिकियों से बिडेन के समर्थन में 19 अंकों की गिरावट के बावजूद ट्रम्प को अनुकूलता रेटिंग में सिर्फ 2 प्रतिशत का फायदा हुआ है। एशियाई अमेरिकी पिछले दो दशकों में संयुक्त राज्य अमेरिका में पात्र मतदाताओं का तेजी से बढ़ने वाला समूह रहा है, जिसमें अकेले पिछले चार वर्षों में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 2016 के बाद से हर संघीय चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में मतदान हुआ है। कई युद्ध के मैदानों में एक बड़ी उपस्थिति और 2020 में बिडेन की जीत की कुंजी थी।

बाइडन बनाम ट्रम्प

इस साल के राष्ट्रपति चुनावों का दांव बहुत बड़ा है क्योंकि ये ऐसे समय में देश की भविष्य की दिशा तय करते हैं जब दुनिया यूक्रेन और गाजा में दो युद्धों, रूस और चीन के पुनरुत्थान और अन्य भू–राजनीतिक चुनौतियों से घिरी हुई है। बिडेन, 81, और ट्रम्प, 77, दोनों को अपनी याददाश्त और बुढ़ापे को लेकर चिंताओं का सामना करना पड़ा है, हालांकि बिडेन की बार–बार की गलतियों और भूलों ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर चिंताओं को बढ़ा दिया है। जबकि बाइडन ने गर्भपात जैसे विषयों पर नागरिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए लोकतंत्र की रक्षा करने की प्रतिज्ञा की है, कई उदारवादी गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध के लिए उनके समर्थन से निराश हैं, जिसके कारण कुछ राज्यों में डेमोक्रेट के अल्पसंख्यक वर्ग ने प्रतिबद्ध मतदान किया है। इस बीच, ट्रम्प ने पिछले प्रशासन की विफलताओं को संबोधित करते हुए यथास्थिति को बदलने और आव्रजन नीतियों पर फिर से सख्त प्रतिबंध लगाने का वादा किया है।

जो बाइडन का समर्थन करने वाले भारतीय-अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट

अमेरिका में साल 2020 में हुए चुनाव और 2024 में होने वाले चुनाव अंतराल के दौरान मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन का समर्थन करने वाले भारतीय–अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है। द्विवार्षिक एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण (एएवीएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी। एशियाई अमेरिकी मतदाता सर्वेक्षण दो साल में एक बार किया जाता है और यह एशियाई–अमेरिकी समुदाय का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सर्वेक्षण है। एशियन एंड पैसिफिक आइलैंडर अमेरिकन वोट (एपीआईएवोट), एएपीआई डेटा, एशियन अमेरिकन्स एडवांसिंग जस्टिस (एएजेसी) और एएआरपी द्वारा किए गए सर्वेक्षण से यह पता चला कि अमेरिका में इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारतीय मूल के 46 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक जो बाइडन को वोट दे सकते हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था। भारतीय–अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट, सभी एशियाई–अमेरिकी जातीय समुदायों में सर्वाधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 27 जून को राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया के तहत हुई बहस से पहले यह सर्वेक्षण किया गया था। सर्वेक्षण के अनुसार, 46 प्रतिशत एशियाई अमेरिकी बाइडन के पक्ष में मतदान कर सकते हैं, लेकिन 2020 के चुनाव की तुलना में यह आंकड़ा आठ प्रतिशत कम है। वहीं, 31 प्रतिशत लोग डोनाल्ड ट्रंप के लिए मतदान कर सकते हैं, जो 2020 के आंकड़ों की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। जो बाइडन का समर्थन करने वाले

भारतीय–अमेरिकियों की संख्या में 19 प्रतिशत की गिरावट होने के बावजूद यह सर्वेक्षण ट्रंप की रेटिंग में केवल दो प्रतिशत (2020 में 28 प्रतिशत से 2024 में 30 प्रतिशत) का ही इजाफा दर्शाता है।

जनता के मुद्दे उठाने वालों पर बरस रहा कहर, इस साल छह महीने में ही रिकॉर्ड पत्रकारों की हत्या

इस्लामाबाद। सोचिए जिस देश में सच्चाई को सामने लाने वालों को ही मौत के घाट उतार दिया जा रहा है, वहां आमजन की क्या हालत होगी। आप सुनकर चौंक जाएंगे कि अभी तो यह साल बीता भी नहीं है और यहां अबतक सात पत्रकारों की हत्या की जा चुकी है। जी हां, एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस साल के शुरुआती छह महीनों में रिकॉर्ड संख्या में पत्रकार मारे गए हैं। सबसे हालिया घटना की बात करें तो जून में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष खलील जिब्रान की हत्या कर दी गई थी। दरअसल, जिब्रान कार से कहीं जा रहे थे, तभी दो लोगों ने घात लगाकर हमला कर दिया था। इन बदमाशों ने पहले उन्हें कार से बाहर खींचा और फिर गोलियों से भून दिया। पत्रकारों की हत्याओं की जांच करने वाले एक संगठन के लिए काम करने वाले आदिल जवाद ने बताया कि सात में से कम से कम चार पत्रकारों की हत्या के मामले उनके काम से संबंधित थे। बता दें, जिन लोगों की जान ली गई है उनमें पारंपरिक पत्रकार और नागरिक पत्रकार शामिल थे। अधिकत मौतें छोटे शहरों और कस्बों में हुई हैं, जहां पेशेवर पत्रकारों की पहचान बढ़ाने और नागरिक पत्रकारों को मंच देने में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे अधिक महसूस की गई है। जवाद ने कहा कि ये हमले अपराधियों को बचाने के लिए किए जा रहे थे। वहीं, प्रेस की स्वतंत्रता की वकालत करने वाले फ्रीडम नेटवर्क ने कहा कि 2012 और 2022 के बीच 53 पत्रकारों को उनके काम के चलते मार दिया गया था। जबकि सजा केवल दो मामलों के दोषियों को दी गई। हाल के वर्षों में पाकिस्तान में नागरिक पत्रकारिता में काफी वृद्धि हुई है, जिसकी वजह सोशल मीडिया का बढ़ना और मुख्यधारा के प्रेस पर अंकुश लगना है। आम लोगों ने बिगड़ती कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को सामने लाने का बीड़ा उठा लिया है।

इन पत्रकारों को भी बनाया निशाना

मई के अंत में स्थानीय राजनेताओं, जमीन मालिकों और सामंती प्रभुओं को अपनी रिपोर्टिंग में जवाबदेह ठहराने के लिए जाने जाने वाले पत्रकार नसरुल्लाह गदानी की सिंध प्रांत के बदीन जिले में हत्या कर दी गई थी। इससे विरोध प्रदर्शनों की लहर चल पड़ी थी। उनके भाई याकूब गदानी ने आरोप लगाया था कि स्थानीय सांसद खालिद ने हत्या की साजिश रची।

प्रचंड से सत्ता छीनने के लिए साथ आएगा विपक्ष, देउबा–ओली की मुलाकात से सरगर्मियां तेज

काठमांडू। नेपाल में राजनीतिक सत्ता के लिए चल रही उठापटक अब तेज हो चली है। अपनी सरकार को बचाने के लिए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड शुक्रवार को बहुमत परीक्षण से गुजरेंगे। इस परीक्षण में प्रचंड के लिए विश्वास मत हासिल करना चुनौती है। वहीं बहुमत परीक्षण से पहले एक मुलाकात के दौरान नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा

और सीपीएन यूएमएल के केपी शर्मा ओली ने नई गठबंधन सरकार के गठन को लेकर चर्चा की। इसमें तय किया गया कि संसद के तीन साल के कार्यकाल में दोनों दलों के नेता डेढ़–डेढ़ साल के लिए प्रधानमंत्री बनेंगे। इसमें पहले चरण में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री बनेंगे। माना जा रहा है कि रविवार तक नई सरकार का गठन हो जाएगा। पिछले हफ्ते सरकार में सबसे बड़े दल सीपीएन यूएमएल ने नेपाली कांग्रेस के साथ सत्ता साझाकरण समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रचंड की सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसके साथ ही सरकार की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी सीपीएन यूएमएल के आठ कैबिनेट मंत्रियों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीपीएन यूएमएल ने प्रचंड के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने पद छोड़ने से इंकार करते हुए संसद में विश्वास मत का सामना करना की बात कही। प्रचंड विश्वास मत का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन यह उनके लिए समर्थन जुटाना बड़ी चुनौती है। वहीं शुक्रवार को होने वाले शक्ति परीक्षण से पहले सीपीएन यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा से मुलाकात की। इसमें नई सरकार के गठन को लेकर चर्चा की गई।

पेशावर हवाई अड्डे पर उतरते वक्त सऊदी अरब के विमान में लगी आग, सुरक्षित निकाले गए सभी यात्री

पेशावर/जेद्दा। सऊदी अरब के एक यात्री विमान में पाकिस्तान के पेशावर हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलने ही विमान को तुरंत रोका गया और चालक दल के सदस्यों और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि सऊदी एयरलाइन की उड़ान संख्या एसवी–792 रियाद से पेशावर जा रही थी। पेशावर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते वक्त एक टायर में धुंआ निकलते देखा गया। विमान को तुरंत रोका गया और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई। सभी यात्रियों और चालक दल को निकासी वाले दरवाजे से सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमान के विशेषज्ञ अब तकनीकी गड़बड़ियों का मूल्यांकन कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।